

पीएम मोदी सूरत में लार्सन एंड टुब्रो के आर्म्ड सिस्टम्स कॉम्प्लेक्स पहुंचे

एजेंसी। सूरत

पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को गुजरात के सूरत में लार्सन एंड टुब्रो के आर्म्ड सिस्टम्स कॉम्प्लेक्स पहुंचे। यहां उन्होंने मेड इन इंडिया टैंक, ड्रोन की जानकारी ली। एल एंड टी कॉलेक्स भारत का अत्याधुनिक रक्षा निर्माण केंद्र है। यहां सेना के लिए बखतरबंद वाहन, तोप से जुड़े सिस्टम और अन्य सैन्य प्लेटफॉर्म बनाए, जोड़े और परीक्षण किए जाते हैं। पीएम मोदी सूरत में 12,421 करोड़ रुपए के नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करेंगे। इनमें बड़ोदरा-मुंबई एक्सप्रेसवे के दो पैकेज के साथ 4 अन्य हाईवे शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस होने की वजह से शहर में पीएम के कार्यक्रम के बैनर नहीं लगाए गए। कार्यक्रम में आ रहे कर्मचारियों को साइकिल और ई-व्हीकल से आने के लिए कहा गया। वहीं, आम लोगों के आने के लिए नगर निगम 450 से ज्यादा ई-बसें चलाई। सूरत में पीएम हाईवे के अलावा बड़े और छोटे पुल, रेलवे पुल, प्लाईओवर और 70 अंडरपास का उद्घाटन करेंगे। 4,732 करोड़ रुपए वाली नेशनल

मेड इन इंडिया टैंक, ड्रोन की ली जानकारी, हाईवे प्रोजेक्ट्स का करेंगे उद्घाटन



हाईवे की चार परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे। इनमें एनएच-56 के धामासिया से बिटाडा तक चार लेन निर्माण, नसरपौर से मलोथा तक चार लेन निर्माण, रिलायंस के पास छह लेन वाहन अंडरपास और एनएच-53 के सूरत-हजीरा सेक्शन पर कावास में वीथ्यू-कम-प्लाईओवर शामिल हैं। इसके साथ ही दमन से मोदी लक्षद्वीप के लिए 885 करोड़ की बंदरगाह और टूरिज्म परियोजनाओं का वचुअल उद्घाटन भी करेंगे।

सूरत में एलएंडटी के आर्म्ड सिस्टम्स

पीएम मोदी ने दी विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज विश्व पर्यावरण दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित सभी लोगों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह दिन पर्यावरण की रक्षा और सतत विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दोहराने का अवसर है। प्रधानमंत्री कार्यालय की आज जारी विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में सरकार द्वारा किए गए प्रयासों से देश में हरित क्षेत्र का विस्तार हुआ है और कई वन्यजीव प्रजातियों की आबादी में वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों ने सामूहिक प्रयासों, प्रभावी नीतियों, विज्ञान में विश्वास और नवाचार के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर दिखाया है। उन्होंने कहा कि

भारत को अपनी समृद्ध जैविक विविधता पर गर्व है। देश के विविध परिस्थितिकी तंत्र अनगिनत प्रजातियों और करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार हैं। प्रधानमंत्री ने ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, हिम तेंदुए, स्तंभ भालू और चीतों के संरक्षण के लिए किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि निरंतर प्रतिबद्धता से वन्यजीवों और पारिस्थितिकी तंत्रों का सफल पुनरुद्धार संभव है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' जैसी पहल ने हर वर्ष लगभग 1.19 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के सिद्धांत से प्रेरित होकर भारत मिशन लाइफ की भावना के अनुरूप स्वच्छ, हरित और टिकाऊ भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

सांक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 54वें जन्मदिन पर प्रधानमंत्री समेत शीर्ष नेताओं ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के 54वें जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित कई केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर जनसेवा की कामना की। नेताओं ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में हुए विकास, सुरासन और जनकल्याणकारी कार्यों की भी सराहना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास और प्रगति को नई गति देने में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने हमेशा प्रदेशवासियों के जीवन स्तर में सुधार और सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी है। उन्होंने उनके स्वस्थ, सुखद और दीर्घ जीवन की कामना की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय एवं मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ का सार्वजनिक जीवन समाज और राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण का उदाहरण है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार सुरासन और जनकल्याण के नए मानक स्थापित कर रही है।

अन्नामलाई का इस्तीफा हुआ स्वीकार

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी को एक बहुत बड़ा झटका लगा है, जहां पार्टी के कद्दावर नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई का इस्तीफा आखिरकार भाजपा हाईकमान को स्वीकार करना पड़ा है। अन्नामलाई काफी समय पहले ही पार्टी नेतृत्व को अपना इस्तीफा सौंप चुके थे, जिस पर अब जाकर मुहर लगी है। लंबे समय तक तमिलनाडु में भाजपा का मुख्य चेहरा रहे अन्नामलाई की विदाई से राज्य के सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है। हालांकि, वे किस बात को लेकर सबसे ज्यादा असंतुष्ट थे, इस पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन माना जा रहा है कि हाल ही में संसन्न हुए विधानसभा चुनावों के दौरान उनका यह अस्तोभ खुलकर सामने आया था। वे राज्य में एआईएडीएमके के साथ चुनावी गठबंधन करने के सख्त खिलाफ थे, जबकि केंद्रीय नेतृत्व ने अन्नाद्रमुक के साथ जाने का फैसला किया था। इस्तीफे की खबरों के बीच अन्नामलाई भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करते नई दिल्ली भी पहुंचे थे। इस दौरान जब उनसे नई पार्टी बनाने की संभावनाओं पर सवाल किया गया, तो उन्होंने सस्पेंस बरकरार रखते हुए कहा कि आगे कुछ दिनों में सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा, लोग थोड़ा इंतजार करें। इसी बीच मुदुरे और कोंबटूर जैसे शहरों में उनके समर्थकों द्वारा पोस्टर भी लगाए गए, जिसमें उनसे तमिलनाडु को बचाने के लिए एक नया रास्ता चुनने की अपील की गई थी।

‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान बना जन आंदोलन : नितिन नवीन

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को नेहरू पार्क में एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया और प्रकृति संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के संकल्प को सुदृढ़ किया। नितिन नवीन ने इस मौके पर पत्रकारों से कहा कि भाजपा हर वर्ष वृक्षारोपण अभियान को आगे बढ़ाती रही है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे जन आंदोलन का स्वरूप दे दिया है। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया, तो उन्होंने देश के लोगों को इस अभियान से भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। यह अभियान जनभागीदारी से एक सशक्त जनआंदोलन का रूप ले रहा है, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाते हुए हरित एवं



संतुलित भविष्य के निर्माण की दिशा में प्रेरित करता है। भाजपा अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि सभी नागरिक अपनी मां की स्मृति में वृक्षारोपण के इस अभियान से जुड़ेंगे।

इस वर्ष अमेरिका ने 1076 भारतीय नागरिकों को किया निर्वासित

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका प्रवासन तथा लोगों की आवाजाही से जुड़े मुद्दों पर लगातार संवाद कर रहे हैं। इसी बीच अमेरिका ने इस वर्ष अब तक 1,076 भारतीय नागरिकों को निर्वासित किया है। पिछले साल यह संख्या 3,567 थी। विदेश रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में बताया कि भारत-अमेरिकी की प्रवासन एवं गतिशीलता पर हो रही चर्चा का मुख्य उद्देश्य अवैध प्रवासन पर अंकुश लगाना है। साथ ही यह सुनिश्चित करने पर भी जोर है कि कानूनी प्रवासन और वैध रूप से यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। मालवीय नगरों में हुए अग्निकांड के बारे में उन्होंने जानकारी दी कि इस घटना में 13 विदेशी नागरिकों की मौत हुई थी। उन्होंने बताया कि मरने वालों में नाइजीरिया से चार, किर्गिस्तान से तीन, मोजाम्बीक, लाइबेरिया, उजबेकिस्तान, बांग्लादेश, कांगो और इराक से एक-एक नागरिक हैं।

देश के 11 राज्यों में आंधी बारिश ने मचाई तबाही, सैकड़ों पेड़ उखड़े, कई की मौत

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के 11 राज्यों में गुरुवार को आंधी के साथ बारिश हुई। मध्य प्रदेश के भोपाल में 70किमी की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलीं। इससे करीब 80 से ज्यादा पेड़ गिर गए। यूपी के भी 12 शहरों में बारिश हुई। नोएडा में तेजी हवाओं से 400 पेड़ उखड़ गए। हरियाणा के फरीदाबाद जिले में फ्लाईओवर निर्माण कार्य में लगी क्रेन कंटेनर पर पलट गई। इसमें 3 मजदूरों की मौत हो गई। वहीं बिहार के भागलपुर में बिजली गिरने से मां-बेटी की मौत हो गई। राजस्थान के जयपुर में दिल्ली से 4 फ्लाइट डायवर्ट करना पड़ा। दिल्ली-एनसीआर में भी खराब मौसम के कारण 11 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक मानसून ने गुरुवार को देश में दस्तक

25 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी, मग्न में आंधी-तूफान के साथ ओले गिरने की संभावना

दे दी है। इसके साथ ही चार महीने, यानी जून से सितंबर तक चलने वाले बारिश के मौसम की शुरुआत हो गई है, जिससे भीषण गर्मी और लू से राहत मिलने की उम्मीद है। मानसून केरलम के साथ ही तमिलनाडु और कर्नाटक के कुछ हिस्सों तक पहुंच गया है। यह अगले 3-4 दिन में कर्नाटक-तमिलनाडु के बाकी हिस्सों में आगे बढ़ जाएगा। इसके साथ ही इसके गोवा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों तक पहुंचने की उम्मीद है। मानसून आमतौर पर 1 जून को केरलम पहुंचता है। इसके बाद करीब डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर कर लेता है। मानसून की वापसी आमतौर

वायु सेना प्रमुख ने फ्रांस दौरे में ऑर्लियंस एयरबेस से ए-400एम विमान में उड़ान भरी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने फ्रांस की अपनी तीन दिन की आधिकारिक यात्रा के दौरान प्रमुख रक्षा कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की, जिससे 'मेक इन इंडिया' पहल को आगे बढ़ाने में मदद मिली। उन्होंने ऑर्लियंस एयरबेस से ए-400एम विमान में उड़ान भरकर इसकी क्षमता को परखा। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बलार्ड के एयर एंड स्पेस फोर्स मुख्यालय में चीफ ऑफ स्टाफ जनरल जेरोम बेलेंजर के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। यहां उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' के साथ सैन्य सम्मान दिया गया। एयर



चीफ मार्शल ने फ्रांसीसी गणराज्य के राष्ट्रपति के सैन्य स्टाफ प्रमुख जनरल विसैंट गिराउड से भी मुलाकात की और 'इकोल डी ग्यूर्रे', 'इकोल मिलिटैयर' में अधिकारियों को संबोधित किया, जिनमें एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत

वहां मौजूद भारतीय ऑफिसर कैडेट भी शामिल थे। एयर स्टाफ प्रमुख ने मोंट-डी-मार्सन एयर कोंबैट सेंटर का दौरा किया। फ्रांस में भारतीय दूतावास ने बताया कि एयर चीफ मार्शल एपी सिंह की इस यात्रा ने भारतीय वायु सेना

एसएएफ के मोर्चे पर प्रगति से भारत अब ऊर्जा आयातक से ऊर्जा निर्यातक बन रहा: गडकरी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण बदलते वैश्विक परिदृश्य और एथनॉल, हाइड्रोजन और पर्यावरण अनुकूल विमान ईंधन (एसएएफ) के मोर्चे पर देश की प्रगति के चलते भारत में अब उर्जा आयातक से उर्जा निर्यातक बनने की क्षमता है। मारुति सुजुकी की भारत में पहली 'फ्लेक्स-फ्यूएल' कार पेश किए जाने के अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत में पेट्रोल, डीजल आदि पर निर्भरता आर्थिक बोझ के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी बड़ा खतरा है। लिहाजा स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ना जरूरी है। उन्होंने एथनॉल का उत्पादन कर रहा है और अगले

एथनॉल का इस्तेमाल से 45000 करोड़ रुपए बड़ी यूपी-बिहार के किसानों की कमाई



का इस्तेमाल बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि इससे किसानों की आमदनी भी बढ़ी है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि अब हमारे पास ऊर्जा आयातक देश से ऊर्जा निर्यातक देश बनने की क्षमता है। भारत फिलहाल हर साल 78,000 टन पर्यावरण अनुकूल विमान ईंधन का उत्पादन कर रहा है और अगले

और फ्रेंच एयर एंड स्पेस फोर्स के बीच गहरी साझेदारी को और मजबूत किया है। एयर चीफ ने ऑर्लियंस एयरबेस से ए-400एम विमान में उड़ान भरी और डसॉल्ट एविएशन, थेल्स, स्फरान और एमबीडीए जैसी प्रमुख रक्षा कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की, जिससे 'मेक इन इंडिया' पहल को आगे बढ़ाने में मदद मिली। भारत ने एक जून को 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने के लिए लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये की बड़ी सरकारी-से-सरकारी डील के लिए फ्रांस को 'लेटर ऑफ रिक्वेस्ट' (एलओआर) जारी किया है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED



Distributorship ke liye contact Karen . (9315755133 / ya email Karen) angenpharmaceuticals@gmail.com



संक्षिप्त समाचार

शादी के आठ महीने बाद संदिग्ध हालात में मिली नवविवाहिता का शव, जांच में जुटी पुलिस

लोकतंत्र की शान: नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर गांव स्थित एक मकान में 21 वर्षीय नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। महिला का शव घर की चौथी मंजिल पर सोफे पर पड़ा मिला। सूचना मिलने के बाद पुलिस, फॉरेंसिक टीम और कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसकी रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस के अनुसार, गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे गाजीपुर गांव की गोपाल गली स्थित एक मकान में महिला के मृत मिलने की सूचना पीसीआर कॉल के माध्यम से थाना पांडव नगर औद्योगिक क्षेत्र (पीआईएफ) को मिली। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान मृतका की पहचान खुशी (21) के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि खुशी की शादी अक्टूबर 2025 में 26 वर्षीय तरुण से हुई थी। घटना के समय घर में मृतका का देवर सुमित (23) भी मौजूद था। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) और क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया। टीमों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और कई महत्वपूर्ण साक्ष्य व नमूने एकत्र कर वैज्ञानिक जांच के लिए सुरक्षित कर लिए हैं। कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने भी मौके का निरीक्षण कर आवश्यक पृष्ठताछ की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिजहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले में सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं और पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच में जुटी हुई है।

सीवर लाइन कार्य के दौरान दीवार गिरी, मजदूर की मौत, वहीं ग्रेटर कैलाश एक आग लगने की घटना में दो दमकलकर्मी झुलसे

लोकतंत्र की शान: नई दिल्ली। लोधी कॉलोनी में गुरुवार रात सीवर पाइपलाइन बिछाने के दौरान एक दीवार भरभराकर गिर गई, जिससे तीन मजदूर मलबे में दब गए। हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं ग्रेटर कैलाश-1 स्थित टाटा कम्युनिकेशंस के कार्यालय में देर रात आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग बुझाने के दौरान दो दमकलकर्मी भी झुलस गए।जानकारी के अनुसार, रात करीब 1:18 बजे लोधी होटल के निकट सीवर पाइपलाइन का कार्य चल रहा था। इसी दौरान एक बाउंड्री वॉल अचानक ढह गई और वहां काम कर रहे तीन मजदूर मलबे के नीचे दब गए। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दो मजदूरों को बाहर निकाल लिया और उन्हें तत्काल एम्स ट्रामा सेंटर भेजा। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तीसरे मजदूर को मलबे से बाहर निकाला। घायलों की पहचान 48 वर्षीय राजेश और 20 वर्षीय उमर के रूप में हुई है। दोनों का एम्स ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। वहीं 55 वर्षीय देवेंद्र को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।वहीं उधर, रात करीब 2:47 बजे ग्रेटर कैलाश-1 स्थित टाटा कम्युनिकेशंस कार्यालय में आग लगने की सूचना मिली। दमकल विभाग ने तत्काल कई गाड़ियों को मौके पर भेजा। आग की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त दमकल वाहन भी बुलाए गए। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 5:30 बजे आग पर काबू पा लिया गया, जबकि सुबह 7:05 बजे ऑपरेशन पूरी तरह समाप्त घोषित किया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आग इमारत की तीसरी मंजिल पर स्थित बैटरी रूम में लगी थी। मथुरा से करीब 200 वर्ग फुट क्षेत्र प्रभावित हुआ। आग बुझाने के दौरान मथुरा रोड दमकल स्टेशन के दो दमकलकर्मी संदीप और सुशेक के हाथ झुलस गए, जिन्हें सफरदरजन अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों के अनुसार, इमारत में ग्राउंड फ्लस पांच मंजिला है और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

पद्म पुरस्कारों के लिए 31 जुलाई तक राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन माध्यम से होंगे नामांकन

लोकतंत्र की शान: नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 2027 के पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और सिफारिशें आमंत्रित की हैं। ऑनलाइन नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। गृह मंत्रालय के अनुसार गणतंत्र दिवस पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन प्रक्रिया 15 मार्च से शुरू हो चुकी है। नामांकन और सिफारिशों केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार की जाएंगी। पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं। वर्ष 1954 में शुरू किए गए ये पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, लोक सेवा, व्यापार एवं उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट और विशिष्ट योगदान के लिए प्रदान किए जाते हैं। सरकार ने कहा कि वह पद्म पुरस्कारों को “पीपुल्स पद्म” के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से सभी नागरिकों से स्वयं नामांकन करने या योग्य व्यक्तियों की सिफारिश करने का आग्रह किया गया है। सरकार ने विशेष रूप से महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गों, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदायों, दिव्यांगजनों तथा निस्पृह भाव से समाज सेवा करने वाले प्रतिभाशाली लोगों की पहचान कर उनके नाम आगे बढ़ाने की अपील की है। मंत्रालय के अनुसार नामांकन में संबंधित व्यक्ति की उपलब्धियों और विशिष्ट सेवाओं का स्पष्ट एवं विस्तृत विवरण निर्धारित प्रारूप में देना आवश्यक होगा। पद्म पुरस्कारों से संबंधित विस्तृत जानकारी गृह मंत्रालय और पद्म पुरस्कार पोर्टल पर उपलब्ध है।

हरित राजधानी की शुरुआत एक पौधे से होती है : विजेंद्र गुप्ता

लोकतंत्र की शान नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को विधान सभा परिसर में आयोजित वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व करते हुए कहा कि सच्चा सुशासन केवल वर्तमान के लिए कानून बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए मजबूत आधार तैयार करने का भी दायित्व निभाता है। एक हरित राजधानी की शुरुआत एक पौधे से होती है। विधानसभा अध्यक्ष ने पौधे रोपित कर राजधानी के पारिस्थितिक संतुलन की पुनर्स्थापना के प्रति विधानसभा की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने नागरिकों से केवल दर्शक बने रहने के बजाय “प्रकृति के संरक्षक” बनने की अपील करते हुए कहा कि दिल्ली के प्रत्येक परिवार को कम-से-कम एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए।विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण अब विकल्प नहीं, बल्कि विशेष रूप से दिल्ली जैसे महानगरों के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने कहा कि यह दिवस प्रकृति के साथ हमारे कमजोर पड़ते संबंधों को पुनर्स्थापित करने का वैश्विक संदेश देता है। उन्होंने उल्लेख किया कि प्रदूषण और बढ़ते तापमान जैसी चुनौतियों का सामना कर रही दिल्ली को स्वच्छ, स्वस्थ एवं टिकाऊ पर्यावरण सुनिश्चित करने के लिए जनभागीदारी आधारित व्यापक हरित अभियान को अपनाना होगा। विजेंद्र



संबंधों को पुनर्स्थापित करने का वैश्विक संदेश देता है। उन्होंने उल्लेख किया कि प्रदूषण और बढ़ते तापमान जैसी चुनौतियों का सामना कर रही दिल्ली को स्वच्छ, स्वस्थ एवं टिकाऊ पर्यावरण सुनिश्चित करने के लिए जनभागीदारी आधारित व्यापक हरित अभियान को अपनाना होगा। विजेंद्र

इंडो-कैनेडियन एलायंस ने की ‘बिजनेस समिट 2026’ घोषणा, भारत-कनाडा व्यापार और निवेश संबंधों को मिलेगी नई ताकत



लोकतंत्र की शान नई दिल्ली: इंडो-कैनेडियन एलायंस ने इंडो-कैनेडियन एलायंस बिजनेस समिट 2026 के आयोजन की घोषणा की है। यह मल्टी सिटी ट्रेड तथा इन्वेस्टमेंट डेलिगेशन कार्यक्रम 11 से 20 सितंबर 2026 के बीच कनाडा के टोरंटो और ओटावा में आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन- एक्वायर इनोवेशन संस्था की पहल है, जिसका उद्देश्य भारत और कनाडा के उद्योगों, निवेशकों, उद्यमियों, औद्योगिक संगठनों और संस्थानों को एक साझा मंच प्रदान करना है, ताकि वे व्यापार, इन्वेस्टमेंट, टेक्नोलोजी सहयोग, एडवान्स्ड मैन्युफैक्चरिंग, मेडिकल टूरिज्म और शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर तलाश सकें। इस सम्मेलन का उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाना है। इसके तहत उद्योगों, सरकारी प्रतिनिधियों,

कोर्पोरेट विजिट्स तथा मार्केट एन्ट्री मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस पहल का लक्ष्य प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देना, टेक्नोलोजी ट्रांसफर को प्रोत्साहित करना, संयुक्त उपक्रमों,

शैक्षणिक सहयोग और रणनीतिक साझेदारियों को बढ़ावा देना है, जिससे भारत और कनाडा दोनों में आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और इनोवेशन आधारित विकास को बल मिल सके। इस पहल के बारे में

जानकारी देते हुए एक्वायर इनोवेशन के संस्थापक हार्दिक ठाकर ने कहा, “इंडो-कैनेडियन एलायंस बिजनेस समिट 2026 भारत और कनाडा के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया स्ट्रेटेजिक प्लेटफॉर्म है। यह सिर्फ बाजार तक पहुंच और व्यापार विस्तार ही नहीं प्रदान करता, इसके अलावा हमारा लक्ष्य निवेश आकर्षित करना, इनोवेशन को बढ़ावा देना, प्रौद्योगिकी सहयोग को प्रोत्साहित करना और ऐसी दीर्घकालिक साझेदारियाँ बनाना है, जो दोनों देशों के उद्योगों और समाज के लिए मूल्य सृजित करें। हमें विश्वास है कि उद्योगों और संस्थानों के बीच मजबूत सहयोग द्विपक्षीय आर्थिक विकास को नई दिशा देता है।” यह सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय विस्तार कर रहे सभी प्रकार के उद्योगों को संभावित साझेदारों, ग्राहकों, निवेशकों और सर्विस प्रोवाइडर्स से जोड़ने में मदद करेगा। इसमें भाग लेने वाली कंपनियों को कंपनी बनाने, बिजनेस रजिस्ट्रेशन, मार्केट एन्ट्री की रणनीति और कनाडा के स्थानीय व्यापार इकोसिस्टम संबंधी मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। के.एच. मेनेजमेंट की कार्यकारी निदेशक कृति त्रिवेदी ने कहा ,“भारत और कनाडा के बीच टेक्नोलोजी, मैन्युफेक्चरिंग, हेल्थकेर, शिक्षा, लॉजिस्टिक्स और प्रोफेशनल सर्विसेस जैसे अनेक क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। इस सम्मेलन के माध्यम से हम ऐसा स्ट्रक्चर्ड वातावरण तैयार करना चाहते हैं, जहां उद्यमी और उद्योग जगत के नेता विचारों का आदान-प्रदान कर सकें, साझेदारियां विकसित कर सकें और विकास के नए अवसर तलाश सकें। व्यापारिक सहयोग के साथ-साथ सांस्कृतिक, शैक्षणिक और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने की भी बड़ी संभावनाएं हैं।”

दुर्लभ और जीवनघाती पैक्रियाटिक जटिलताओं से ग्रस्त 51-वर्षीय मरीज का फोर्टिस वसंत कुंज में रोबोट-एडेड सर्जरी से सफल उपचार

वॉल्ड ऑफ पैक्रियाटिक नेक्रोसिस (WOPN) जटिल प्रकार की एवयूट पैक्रियाटाइटिस कंडीशन है



लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: फोर्टिस हॉस्पिटल वसंत कुंज के डॉक्टरों ने एक्यूट पैक्रियाटाइटिस की दुर्लभ और जीवनघाती जटिल कंडीशन वॉल्ड-ऑफ पैक्रियाटिक नेक्रोसिस (WOPN) से पीड़ित 51-वर्षीय मरीज का जटिल रोबोटिक पैक्रियाटिक नेक्रोसेक्टॉमी को सफल उपचार किया है। डॉ नीरज चौधरी, सीनियर डायरेक्टर एवं हेड, जीआई सर्जरी, जीआई ओकोलॉजी एंड रोबोटिक्स, फोर्टिस हॉस्पिटल वसंत कुंज के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने मरीज के उपचार के लिए एडवांस मिनीमेंली इन्वेसिव रोबोटिक

» दुनियाभर में लगभग 19% लोग इससे प्रभावित होते हैं

प्रक्रिया की मदद ली ताकि पारंपरिक ओपन सर्जरी से जुड़ी प्रमुख जटिलताओं से बचाव हो सके।

आईएचएच अपने पार्टनर्स के साथ मिलकर, मूल्य-आधारित केयर को आगे बढ़ा रही है, और सस्टेनेबल हेल्थकेयर इकोसिस्टम का निर्माण करते हुए सार्थक ढंग से प्रभाव भी डाल रही है। हमारा लक्ष्य विश्व के सर्वाधिक भरोसेमंद हेल्थकेयर सर्विस नेटवर्क के रूप में अपने आप को स्थापित करना है। www.ihhhealthcare.com

एमसीडी स्वास्थ्य विभाग के 30 कर्मचारियों के नियमितीकरण को मंजूरी : सत्या शर्मा

लोकतंत्र की शान नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही एवं स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत 30 दैनिक वेतनभोगी एवं मस्टर रोल कर्मचारियों के नियमितीकरण को मंजूरी प्रदान की। इन कर्मचारियों में सफाई कर्मचारी, वार्ड बॉय, चौकीदार, माली, वार्ड आया, लैब अटेंडेंट, वार्डन तथा किचन स्टाफ शामिल हैं, जो लंबे समय से अस्पताल प्रशासन विभाग में सेवाएं दे रहे थे। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि निगम अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और लंबे समय से सेवा दे रहे कर्मचारियों को नियमित करना उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्थायी समिति की अध्यक्ष ने कहा कि यह निर्णय न केवल कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाएगा, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को स्थायित्व



मिलने से वे और अधिक समर्पण के साथ कार्य कर सकेंगे।सत्या शर्मा ने बताया कि सदन में प्रस्तुत निगम के बजट में कर्मचारियों के नियमितीकरण की जो घोषणा की गई थी, उसी के अनुरूप इन कर्मचारियों को नियमित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की कार्यशैली को दर्शाता है कि उसकी घोषणाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि उन्हें पूरी प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर भी उतारा जाता है।उन्होंने कहा कि निगम भविष्य में भी कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए ऐसे सकारात्मक निर्णय लेता रहेगा, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक मजबूत और प्रभावी बन सके।

दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को आंधी-बारिश के आसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से बढ़ा आगे

लोकतंत्र की शान नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर सहित देश के कई हिस्सों के लिए मौसम का पूर्वानुमान जारी किया। दिल्ली में जहां शनिवार को तेज हवा के साथ बारिश के आसार हैं, वहीं दक्षिण-पश्चिम मानसून देश के अन्य हिस्सों में तेजी से आगे बढ़ रहा है।आईएमडी के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को को भी मौसम का मिजाज बदला रहेगा। तेज हवा और गरज के साथ हल्की बारिश के आसार हैं। हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा से लेकर 60 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। इस दिन की दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35-37 डिग्री सेल्सियस और 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सात जून को बादल



छाप रहेंगे। यहां का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36-38 डिग्री सेल्सियस और 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। आठ जून को आमतौर पर मौसम साफ रहने का अनुमान है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 38-40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून आज पश्चिम-मध्य और पूर्व-मध्य अरब सागर, गोवा के कुछ हिस्सों, कर्नाटक,

तमिलनाडु और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है। इसके अलावा अगले 2-3 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मान्सून के पूर्व-मध्य, पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं। अगले 7 दिनों के दौरान केरल और कर्नाटक में कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। तमिलनाडु, पुडुचेरी, केराला और गंगा के मैदानी इलाकों में कुछ जगहों पर भारी बारिश जारी रहने के आसार हैं।देश के अलग क्षेत्रों में चक्रवाती परिसंचरण स्थित है। पूर्वोत्तर भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में अगले छह दिनों तक, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कई क्षेत्रों में अगले छह दिनों के दौरान, पूर्वी भारत और मध्य भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में भी अगले छह



संक्षिप्त समाचार

बीजेपी जन कल्याण मंच ने योगी आदित्यनाथ का 54 में जन्मदिन मनाया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर: शुक्रवार को भाजपा जनकल्याण मंच द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का 54 वा जन्मदिवस उत्साहपूर्वक केक काटकर मनाया, बता दें कि जिला अध्यक्ष भीम सिंह खड़क बंशी के नेतृत्व में उनके रहरा रोड स्थित कैप कार्यालय पर दर्जनों कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का जन्म दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया तथा एक दूसरे को केक व मिठाई खिलाकर बधाई दी, इस मौके पर जिला अध्यक्ष भीम सिंह खड़कवंशी ने सभी से भाजपा की जन कल्याणकारी नीतियों एवं योजनाओं को घर-घर पहुंचने का आह्वान किया तथा उन्होंने कहा कि योगी जी के कुशल नेतृत्व में 2027 में फिर से भाजपा की प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनेगी वहीं महिला सशक्तिकरण के तहत कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सीमा यादव ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को योगी जी के जन्म दिवस पर अपने-अपने घर तथा कार्यालय पर एक एक वृक्ष लगाना चाहिए, इस मौके पर मुख्य रूप से चमन कसाना, राजपाल भंडाना, रुमाल सिंह सैनी, बबलू सेन, राजपाल जाटव, मास्टर मनु कुमार, दिनेश लोथिया, पवन नेताजी, सीमा यादव, कुसुम यादव आदि सहित दर्जनों बीजेपी जन कल्याण मंच के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे ।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रामपुर जनपद में प्रकृति के संरक्षण और हरित आवरण को बढ़ाने के लिए एक महाअभियान का आगाज करते हुए

हर पेड़ एक प्राण हर प्रण एक नई शुरुआत

लोक तंत्र की शान , मंडल प्रभारी अमनीतकुमार शर्मा, रामपुर। उत्तर प्रदेश/प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह जी ने ग्रुप केंद्र सीआरपीएफ में पौधरोपण कर इस महाअभियान का विधिवत शुभारंभ किया । तत्पश्चात रामपुर जिलाअधिकारी अजय द्विवेदी र एवं पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मौणा व अन्य अधिकारीगण द्वारा वृक्षारोपण किया गया । बैनर तले 'हर पेड़ एक प्राण, हर प्रण एक नई शुरुआत' के नारे को चरितार्थ करते हुए शहर विधायक आकाश सक्सेन, मिलक-शाहबाद विधायक राजबाला सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष ख्यातीराम लोधी भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव गंगवार और जिला प्रभारी चौधरी राजीव वर्मा ने भी पौधे लगाए । इसके उपरांत प्रभारी मंत्री, धर्मपाल सिंह द्वारा सन्त शिरोमणि रविदास स्कॉट हाउस में विकास कार्यों के सम्बन्ध में गोष्ठी आयोजित की गई ।

सीएम योगी ने अपने आवास पर लगाया 'एक पेड़ मां के नाम'

लोक तंत्र की शान , लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत आन का पौधा लगाकर सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण बचाना तो प्रकृति बचानी, प्रकृति बचानी तो जीव सृष्टि भी बचानी, इसलिए हर नागरिक मातृभूमि के प्रति ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

पर्यावरण के प्रति सरकार ने अपने उत्तरदायित्वों का किया निर्वहन-कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से प्रदेश सरकार ने पर्यावरण व प्रकृति के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए 9 वर्ष में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 2017 में शासन सभालते ही डबल इंजन सरकार ने वन महोत्सव के अवसर पर 5 करोड़ पौधरोपण कार्यक्रम को अपने हाथों में लिया था। उस समय हमारे सामने तमाम चुनौतियां थीं। न नर्सरी थी और न ही इतने बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए अनुभव था, लेकिन वन एवं अन्य विभागों ने इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर चन्दनपुर चीनी मिल द्वारा लगाए जाएंगे 15 हजार पौधे, 260 पौधों से हुई शुरुआत

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर/चन्दनपुर: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर त्रिवेणी शगर मिल चन्दनपुर द्वारा बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चीनी मिल के उपाध्यक्ष (शुगर) आमोद कुमार शर्मा ने सभी विभागध्यक्षों के साथ मिलकर विभिन्न प्रजातियों के लगभग 260 पौधे रोपे। इस वर्ष पर्यावरण विभाग ने चीनी मिल को 15 हजार वृक्ष लगाने का लक्ष्य दिया है। उपाध्यक्ष आमोद कुमार शर्मा ने कहा कि "पृथ्वी को स्वर्ग बनाना है - अपने चारों ओर वृक्ष लगाना है" उन्होंने कहा कि 05 जून को पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज हर व्यक्ति को एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल भी करनी चाहिए ताकि वृक्ष फल-फूल सके। पेड़ों की रक्षा करना और पौधरोपण का दायित्व समझना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण के लिए कोई दिन तय नहीं करना चाहिए। जब दिल करे वृक्ष अवश्य लगाएं और प्रकृति को हरा-भरा रखें। चीनी मिल ने 15 हजार पौधों के लक्ष्य की पूर्ति के लिए स्थान चिह्नित कर लगभग 2500 गड्ढों की खुदाई का कार्य पूर्ण कर लिया है। फिलहाल 260 पौधों का रोपण कर दिया गया है। धीरे-धीरे निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण करते हुए समस्त पौधों को लगाया जाएगा। वृक्षारोपण कार्यक्रम में आर.एस. सहरावत महाप्रबंधक (गन्ना), टी.सी. रजौरिया महाप्रबंधक (उत्पादन), रवि गुप्ता महाप्रबंधक (इंजी.), अमेश कुमार सिंह अपर महाप्रबंधक (एच.आर.), संजय कुमार जायसवाल अपर महाप्रबंधक (वित्त), बाबूराम सैनी सहायक महाप्रबंधक (आई.टी.), उदयवीर सिंह (लेब) एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सिरसी में चला 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान

लोक तंत्र की शान , सैय्यद कुमैल जैदी , संभल/सिरसी । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पंचायत सिरसी द्वारा शुक्रवार को अस्थायी गौशाला परिसर के निकट 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए तथा उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर एवं अधिशासी अधिकारी आशुतोष तिवारी तथा नगर पंचायत सिरसी के अध्यक्ष कौसर अब्बास ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। कार्यक्रम में नगर पंचायत के समस्त कर्मचारीगण एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण के निर्माण का संकल्प लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस 'एक पेड़ मां के नाम अभियान 0.2, पालिकाध्यक्ष राजपाल सैनी ने किया वृक्षारोपण

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर: शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हसनपुर आदर्श नगर पालिका परिषद द्वारा भगत सिंह पार्क में 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के तहत बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पालिकाध्यक्ष राजपाल सैनी ने अपनी धर्मपत्नी कविता सैनी के साथ पीपल, नीम और अशोक के पौधे रोपकर किया। उन्होंने कहा कि "प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए" हर नागरिक को एक पौधा अपनी मां के नाम अवश्य लगाना चाहिए। पालिकाध्यक्ष राजपाल सैनी ने कहा कि पेड़ ही जीवन का आधार हैं। बढ़ते प्रदूषण और बदलती जलवायु को देखते हुए वृक्षारोपण समय की सबसे बड़ी जरूरत है। भगत सिंह पार्क को हम ऑक्सीजन जोन के रूप में विकसित करेंगे। यहां लगाए गए पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री-गार्ड लगाए जाएंगे और नियमित देखभाल की जाएगी। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे अपने घर, मोहल्ले और खाली स्थानों पर अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उन्हें पेड़ बनने तक संरक्षित करें। पालिकाध्यक्ष ने बताया कि नगर पालिका द्वारा पार्कों, सड़क किनारों और सार्वजनिक स्थलों पर अभियान चलाकर वृक्षारोपण किया जा रहा है। साथ ही लोगों को पौधे



निशुल्क वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मां के नाम लगाया गया पेड़ भावनात्मक जुड़ाव पैदा करता है, जिससे उसकी देखभाल बेहतर होती है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पर्यावरण बचाने की शपथ ली। कार्यक्रम में जेई तेजपाल पाल सिंह ने बताया कि शासन के निर्देश पर 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत पूरे नगर में 1100 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। आज पार्क में 150 से अधिक छायादार और फलदार पौधे रोपे गए हैं। इस अवसर पर सभासद यशपाल चौहान, ज्योति गर्ग, सविता सिंह, आरती गुप्ता, मुकेश गुप्ता, सचिन गुप्ता, विक्रान्त शर्मा, संजय सहदेव, विशाल वर्मा, कारन सिंह बाबू, दिनेश बाबू आदि लोग उपस्थित रहे। सभी ने एक-एक पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

मासिक मूल्यांकन में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बहेड़ी सर्किल सीओ सम्मानित, एसएसपी अनुराग आर्य ने किया सम्मान समारोह

लोक तंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) जनपद बरेली पुलिस के मासिक कार्य मूल्यांकन के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को सम्मानित करने की परंपरा के तहत बहेड़ी सर्किल के क्षेत्राधिकारी (सीओ) को सर्वश्रेष्ठ कार्य करने पर सम्मानित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य यह सम्मान प्रदान किया गया। पुलिस विभाग द्वारा प्रत्येक माह विभिन्न मानकों के आधार पर कार्यों की समीक्षा की जाती है, जिसमें कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, लॉबिज मामलों के निस्तारण, जनसुनवाई, महिला सुरक्षा, पुलिसिंग की गुणवत्ता तथा प्रशासनिक दक्षता जैसे बिंदुओं को शामिल किया जाता है। इसी क्रम में किए गए मूल्यांकन में बहेड़ी सर्किल का प्रदर्शन बेहतरीन पाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने संबंधित क्षेत्राधिकारी को प्रशस्ति देकर सम्मानित किया तथा उनके कार्यों की सराहना की। एसएसपी ने कहा कि बेहतर पुलिसिंग और जनसेवा की भावना के साथ कार्य



करने वाले अधिकारियों को सम्मानित करना विभागीय मनोबल बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। एसएसपी ने सभी पुलिस अधिकारियों से जनता के साथ सर्वेदनशील व्यवहार बनाए रखने, शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण तथा अपराध नियंत्रण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस की सकारात्मक कार्यशैली से आमजन में विश्वास मजबूत होता है और विभाग की छवि भी बेहतर होती है।

ब्लॉक प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ वृक्षारोपण विधायक व जिला प्रभारी ने दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हसनपुर विकासखंड परिसर में भाजपा संगठन की ओर से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर भाजपा के जिला प्रभारी राजीव सिंसोदिया एवं हसनपुर के विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने संयुक्त रूप से फलदार एवं छायादार पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवनदाता हैं। बिना वृक्षों के मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। आज जिस तरह ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है, उसे देखते हुए हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाए और उसकी देखभाल बच्चे की तरह करें। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। जिला प्रभारी राजीव सिंसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण किया जा रहा है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता इस पुनीत कार्य में लगा है। उन्होंने कहा कि लगाए गए पौधों की सुरक्षा और सिंचाई की जिम्मेदारी भी हम सबको लेनी



होगी, तभी यह अभियान सफल होगा।इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख ममता गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष हिमांशु त्यागी, हसनपुर मंडल अध्यक्ष राजू राणा, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष उषा शर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कालू बंसल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर नीम, पीपल, जामुन और अमरुद के 150 से अधिक पौधे रोपे। ब्लॉक प्रमुख ममता गुर्जर ने कहा कि विकासखंड परिसर को हरा-भरा बनाने के साथ-साथ सभी ग्राम पंचायतों में भी वृक्षारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस पर हज़रत नगर गढ़ी थाना परिसर में चला पौधारोपण अभियान

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल जैदी

संभल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हज़रत नगर गढ़ी थाना परिसर में थानाध्यक्ष संजय सिंह के नेतृत्व में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान थाना परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर थानाध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना आवश्यक है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों एवं नागरिकों से हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाने और उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का आह्वान



किया। पौधारोपण कार्यक्रम में थाना स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और हरित वातावरण के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के प्रति लोगों को जागरूक भी किया गया। इस मौके पर थाना परिसर में मौजूद समस्त पुलिसकर्मियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए क्षेत्र को हरा-भरा बनाने में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर SSP अनुराग आर्य ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

» पुलिस अधिकारियों ने लिया हरित वातावरण बनाने का संकल्प, लोगों से अधिक पौधे लगाने की अपील

लोक तंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को बरेली पुलिस प्रशासन की ओर से पुलिस कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) अनुराग आर्य ने किया। इस अवसर पर जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने स्वयं पौधा लगाकर अभियान की शुरुआत की और उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया। उनके साथ एसपी उत्तरी



मुकेश चंद्र मिश्र, एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा, सीओ/एससी

प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाले माफिया से सज़ा रहें- मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिकों से प्रकृति व जलस्रोतों को नुकसान पहुंचाने वाले भूमाफिया, वन माफिया, खनन माफिया व स्मंगलरों के प्रति सजग रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सजग नागरिकों का दायित्व है कि मातृभूमि के प्रति दायित्वों का निर्वहन करें। सीएम ने विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदेशवासियों को पांच संकल्प भी दिलाए। इसमें एक पेड़ मां के नाम लगाना, शराबती तत्वों व जीव-जंतुओं से पेड़ों की सुरक्षा, जल संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करना और प्रकृति के अनुरूप जीवन शैली अपनाना शामिल है। सीएम ने कटाक्ष किया कोई टॉटी चोरी कर रहा है, कोई पानी बर्बाद कर रहा है, ऐसे लोगों को ठोकें। जल संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाएं, कोशिश हो कि पानी व्यर्थ न हो। सीएम योगी ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान' संगोष्ठी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने यहां प्रदर्शनी का अवलोकन किया, बच्चों को चॉकलेट दीं और आमजन को कपड़े के झोले देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। सीएम ने बच्चों के साथ सेल्फी ली और वृक्ष कलेश में जल भी अर्पित किया।



प्रतिभा हत्याकांड: हसनपुर में न्याय की मांग को लेकर विशाल पैदल मार्च, उच्च स्तरीय जांच की मांग

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर: शुक्रवार को कोतवाली क्षेत्र में नवविवाहिता प्रतिभा उर्फ पिंकी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच व हत्या आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सैकड़ों ग्रामीणों ने पैदल मार्च निकालकर कोतवाली के गेट पर प्रदर्शन किया। मृतका के परिजनों का आरोप है कि ससुराल वालों ने दहेज के लिए प्रतिभा को बेरहमी से प्रताड़ित करने के बाद हत्या कर दी और घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे से लटक दिया। इस घटना के बाद से मायके पक्ष और ग्रामीणों में भारी उबाल है। मृतका की चाची भावना देवी ने आरोप लगाया कि हसनपुर कोतवाली पुलिस मामले को दबाने और जांच में ढिलाई बरत रही है। पीड़ित परिवार और सामाजिक संगठनों ने मुख्यमंत्री योगी



आदित्यनाथ को पत्र भेजकर स्थानीय पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। पत्र में मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि सभी दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा नहीं दी गई तो आंदोलन तेज किया जाएगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मृतका के पति सोनू, सास, ससुर चेताराम समेत 5 लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाल राजेश तिवारी ने बताया कि मुख्य आरोपी पति सोनू और ससुर चेताराम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। शेष फरार आरोपियों की तलाश जारी है और उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पैदल मार्च में फूलवती, सविता, बबली, संजना, शिवानी, क्रांति, रूपवती, लज्जावती, सवीर, शीशपाल, आकाश, प्रेमचंद, रामपुर, गुलाब, लाखन, विकास, ओम सिंह समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक राजेश तिवारी ने बताया कि मुख्य आरोपी पति सोनू और ससुर चेताराम

क्षेत्रीय अधिकारी (प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) गिरीश चंद्र आर्य ने जुबिलेंट में किया पौधरोपण

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

गजरौला। क्षेत्रीय अधिकारी (प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) गिरीश चंद्र आर्य ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए धरती पर हरिशाली बेहद आवश्यक है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि अपने जीवन में एक पौधा अवश्य ही लगाएं ताकि प्रकृति के बिगड़ते संतुलन को बचाया जा सके। शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर जुबिलेंट इन्ड्रेविया लिमिटेड परिसर में एक पेड़ मां के नाम के तहत नीम,बगरद, शीशम आदि के पौधे रोपे गए। मुख्य अधिकारी (प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) गिरीश चंद्र आर्य ने जुबिलेंट के यूनिट हेड विनोद झा एवं निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित के संग पौधे लगाए। जुबिलेंट के अधिकारियों ने भी पौधरोपण किया।



इस दौरान सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी दोहराया। इस मौके पर पराग गोयल, विनय शुक्ला, एनके अग्रवाल, अमित पांडेय, सुनील ए सिंह, सीएसआर से

विशाल गौरव, डा. सैय्यद बिलाल अहमद, फाल्गुन शरण, चंद्रकांत, देवेन्द्र पवार, विनय कुमार द्वेदी, अजय कुमार,गहुल सिंह, चंदन प्रसाद, बूंदी सिंह, नवनीत सिंह आदि मौजूद रहे। वहीं जुबिलेंट एपी एंड कन्ज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड में चीफ ऑफ मैनुफैक्चरिंग जागत शर्मा एवं यूनिट हेड देवेन्द्र बंसल ने पौधारोपण किया।

कार्यालय तथा सीओ/एससी हाईवे सहित अन्य अधिकारियों ने भी परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए। इस अवसर पर एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण वैश्विक आवश्यकता बन चुका है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, घटते हरित क्षेत्र और प्राकृतिक संपत्तियों पर बढ़ते दबाव के कारण पर्यावरण संतुलन बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे समय में वृक्षारोपण केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं बल्कि दबाव के प्रत्येक व्यक्ति की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे केवल वातावरण को स्वच्छ बनाने का कार्य नहीं करते बल्कि वे जीवन का आधार हैं। वृक्ष वातावरण में ऑक्सीजन का स्तर बनाए रखने, तापमान नियंत्रित करने, जैव विविधता को संरक्षित रखने और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण देना है तो आज से ही पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

संक्षिप्त समाचार

‘घटना में जो भी दोषी होगा, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा’, प्राइवेट हॉस्पिटल अग्निकांड पर बोले स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में हुए अग्निकांड पर बयान दिया है। वैशाली में उन्होंने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने अग्निकांड में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह घटना दुखद है और प्रभावित परिवारों के लिए यह कठिन समय है। दरअसल जिला प्रभारी और स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार बीस सूत्री की बैठक में भाग लेने के लिए वैशाली पहुंचे थे। कार्यक्रम के समाप्ति के बाद मीडिया से बात करते हुए निशांत ने आग की घटना पर बयान दिया है। निशांत कुमार ने बताया कि घटना में घायल हुए लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और डॉक्टर उनके उपचार में लगे हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस घटना में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मंत्री संजय सिंह ने वैशाली में किया पौधारोपण, विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिहार सरकार के मंत्री संजय सिंह और लखेंद्र रौशन ने पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और सभी से एक-एक पौधा लगाने की अपील की। यह कार्यक्रम वैशाली में आयोजित किया गया, जहाँ दोनों मंत्रियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया। इस मौके पर एनडीए के कार्यकर्ता भी मौजूद थे। पीएचईडी मंत्री संजय सिंह ने कहा कि पौधे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर दिया कि यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाएगा, तो पूरा बिहार हरा-भरा और स्वच्छ हो जाएगा। अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री लखेंद्र रौशन ने कहा कि पर्यावरण दिवस के साथ-साथ आज संपूर्ण क्रांति दिवस भी है। उन्होंने सभी से एक-एक पौधा लगाने का आग्रह किया और विशेष रूप से कहा कि जिनके माता-पिता हैं या नहीं हैं, उन्हें भी पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने वृद्ध व्यक्तियों से भी पौधारोपण करवाने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान एनडीए कार्यकर्ताओं ने दोनों मंत्रियों का मोमेंटो और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। मंत्री संजय सिंह ने दिवंगत राम विलास पासवान की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी।

सोनपुर मंडल ने ई-वेस्ट जागरूकता अभियान चलाया, विश्व पर्यावरण दिवस पर सतत अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा दिया

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सोनपुर मंडल ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न जागरूकता और संरक्षणात्मक गतिविधियों का आयोजन किया। इस पहल के तहत ई-वेस्ट जागरूकता और सतत अपशिष्ट प्रबंधन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान, अधिकृत पैसाइक्लस के माध्यम से ई-वेस्ट (इलेक्ट्रॉनिक कचरा) संग्रहण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। लोगों को ई-वेस्ट के सुरक्षित और वैज्ञानिक निपटान की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी गई, साथ ही इसके पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से अवगत कराया गया। इलेक्ट्रॉनिक कचरे के उचित संग्रहण और पुनर्चक्रण के महत्व पर भी विशेष जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, सतत अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी उपायों के रूप में रीसाइक्लिंग और कम्पोस्टिंग को प्रोत्साहित किया गया। जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को कचरे के पृथक्करण, पुनः उपयोग और जैविक अपशिष्ट से कम्पोस्ट बनाने जैसी पर्यावरण-अनुकूल गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अभियान में स्वस्थ और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इसका उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित करना और प्रदूषण को कम करना है। सोनपुर मंडल की इस पहल का लक्ष्य पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करना, सतत विकास को बढ़ावा देना और स्वच्छ, हरित तथा स्वस्थ भविष्य के निर्माण में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

प्रसाद हॉस्पिटल अग्निकांड में बड़ी कार्रवाई, मेटेनैस हेड, एडमिन और आईसीयू में तैनात डॉक्टर गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के प्रसाद हॉस्पिटल अग्निकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक मेटेनैस हेड, एडमिन और एक डॉक्टर शामिल है। ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित अस्पताल के आईसीयू वार्ड आग लग गई थी। इस घटना में 6 लोगों की मौत हो गई, बाकी का रेस्क्यू किया गया। कई मरीज शहर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने अस्पताल में निरीक्षण के बाद केस और कार्रवाई की बात कही थी। अब पुलिस ने 3 लोगों को अरेस्ट किया है। इन पर लापरवाही का आरोप है। सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि मामले में 177/26 केस दर्ज किया गया है। यह केस अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी के आवेदन पर दर्ज किया गया। घटना में 6 लोगों की मौत हो गई है। मामले में अभी तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। इनमें एक मेटेनैस हेड, एडमिन और एक डॉक्टर, जिनकी आईसीयू में इट्यूटी थी। सिटी एसपी के अनुसार इन तीन लोगों की लापरवाही के कारण कुछ लोगों की जान गई है। मामले में अस्पताल के डायरेक्टर की भी जांच चल रही है। ब्रिलिंडिंग में किसी तरह के कानून का उल्लंघन है या नहीं। इसके साथ ही ब्रिलिंडिंग का फायर ऑडिट भी कराया जा रहा है। इससे पहले फायर ऑडिट सही तरीके से हुआ था या नहीं। इसकी जांच चल रही है। अगर इन चीजों में लापरवाही पाई गई तो हॉस्पिटल के ऑनर को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

शूटर गोविंद शर्मा हत्याकांड में दूसरा आरोपी गिरफ्तार, ऑंकार के बाद पुलिस ने बाबुल को दरभंगा से पकड़ा

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। गोविंद शर्मा हत्याकांड में दूसरे आरोपी बाबुल चौधरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दरभंगा एयरपोर्ट से बाबुल चौधरी को पकड़ा गया है। बताया जा रहा है कि वो कहीं बाहर जाने की तैयारी में था। इसी बीच पुलिस ने पकड़ लिया। 31 मई की देर रात मर्डर के 12 घंटे बाद एक ऑडियो व्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जो कथित तौर पर बाबुल चौधरी का बताया गया था। ऑडियो में बाबुल चौधरी ने हत्याकांड की जिम्मेदारी ली थी। इसके बाद मामले में गोविंद की पत्नी ने एफआईआर में बाबुल चौधरी को भी नामजद किया था। मुजफ्फरपुर में शॉर्प शूटर हत्याकांड की जिम्मेदारी लेने वाले बाबुल चौधरी कभी गोविंद शर्मा के साथ मिलकर रंगदारी, हत्याकांड जैसे मामलों में शामिल रहा था। हत्याकांड की जिम्मेदारी वाला एक ऑडियो भी सामने आया था, जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि ऑडियो बाबुल चौधरी का है, जिसमें वो बता रहा है कि उकेदारी, टेंडर और प्रॉपर्टी डिलिंग के काम में गोविंद डिटर्ब कर रहा था। अगस्त 2022 में प्रॉपर्टी डीलर विजेंद्र कुमार की ओर से दर्ज कराई गई FIR के मुताबिक, गोविंद के साथ मिलकर बाबुल चौधरी ने 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी थी। इसका जिक्र खुद सामने आए ऑडियो में बाबुल चौधरी ने किया है। बाबुल चौधरी का ये ऑडियो गोविंद शर्मा की हत्या के 12 घंटे बाद सामने आया। हालांकि इस ऑडियो की सत्यता की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस इसे जांच का विषय मान रही है।

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली में “प्लेसमेंट डे” के अवसर पर गुरु सम्मान सह नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का भव्य आयोजन

लोकतंत्र की शान

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली में “प्लेसमेंट डे–2026” के अवसर पर गुरु सम्मान सह नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. समित तिवारी, विशिष्ट अतिथि प्रतिकुलपति डॉ. बसंत सिंह तथा कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 100 से अधिक शिक्षकों को उनके समर्पण, उत्कृष्ट शिक्षण कार्य एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में विशेष भूमिका के लिए “गुरु सम्मान” से सम्मानित किया गया। प्लेसमेंट डे के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न कैम्पस भर्ती



अभियानों में चयनित 250 से अधिक विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। चयनित विद्यार्थियों

को औसतन 6 लाख रुपये वार्षिक पैकेज प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की उद्योगोन्मुखी

शिक्षा, कौशल विकास एवं प्रभावी प्रशिक्षण व्यवस्था को दर्शाती है। कार्यक्रम के प्रारंभ में कुलसचिव

डॉ. ब्रिजेश सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए सभी अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि, “शिक्षक समाज की सबसे मूल्यवान धरोहर हैं, जिनके मार्गदर्शन से विद्यार्थियों का भविष्य निर्मित होता है। आज का यह आयोजन शिक्षकों के सम्मान और विद्यार्थियों की सफलता, दोनों का उत्सव है।”

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि,- “प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण देने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होना चाहिए।”

अपने संबोधन में प्रतिकुलपति डॉ. बसंत सिंह

ने कहा कि,- “विद्यार्थियों की यह सफलता उनके परिश्रम और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विश्वविद्यालय रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।”

मुख्य अतिथि एवं कुलपति डॉ. समित तिवारी ने कहा कि,- “प्लेसमेंट डे विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उत्सव है। हमें गर्व है कि हमारे छात्र प्रतिष्ठित संस्थानों एवं कंपनियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। यह विश्वविद्यालय की गुणवत्ता एवं प्रतिबद्धता का प्रमाण है।” कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन सुश्रय एवं शुभांगी द्वारा किया गया। प्लेसमेंट डे–2026 के अवसर पर आयोजित यह समारोह शिक्षकों के सम्मान, विद्यार्थियों की उपलब्धियों और रोजगारोन्मुखी शिक्षा के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभरा।

सहरसा में सैनिक कल्याण कार्यालय का शुभारंभ, पूर्व सैनिकों को अब जिले में ही मिलेंगी सभी आवश्यक सुविधाएँ

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता, सहरसा। देश की सीमाओं पर अमित साहस, परक्रम और त्याग का अमिट इतिहास लिखने वाले वीर सैनिकों के सम्मान और कल्याण की दिशा में सहरसा ने एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं कार्यरत सैनिक परिवारों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए केन्द्रीय विद्यालय के बगल में जिला सैनिक कल्याण कार्यालय का विधिवत उद्घाटन जिलाधिकारी द्वारा किया गया। अब तीन जिलों— सहरसा, मधेपुरा एवं सुपौल के सैनिक परिवारों को अपना कार्यालय मिल गया है।

तीन जिलों के पूर्व सैनिक और वीर नारियाँ वहीं उपस्थित-इस



गरिमामय समारोह में बड़ी संख्या में तीनों जिलों के पूर्व सैनिक, वीर नारियाँ, विधवाएँ एवं उनके आश्रित उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर्नल संजय कुमार, जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी ने की। स्वागत समारोह के दौरान जिलाधिकारी को मधुबनी पेंटिंग की चादर भेंट कर सम्मानित किया गया।

सैनिक केवल सीमा के प्रहरी नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा हैं: जिलाधिकारी-अपने संबोधन में

जिलाधिकारी ने कहा: “सैनिक केवल सीमा के प्रहरी नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा, अनुशासन और समर्पण के जीवंत प्रतीक हैं। यह सैनिक कल्याण कार्यालय उन वीर जवानों के सम्मान का प्रतीक है, जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्र रक्षा को समर्पित किया और आज भी समाज के मार्गदर्शन के रूप में योद्धा रहे हैं।” भागलपुर जाने की मजबूरी से मिली मुक्ति; समय और धन की होगी बचत

वर्धमान क्षेत्र में मैनहोल टूटी, मीठापुर बी-टाइप में हुआ जलजमाव, नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

लोकतंत्र की शान, पटना

आगामी मानसून को देखते हुए आज पटना नगर निगम के नगर आयुक्त ने वार्ड पार्श्वों के साथ विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। शुक्रवार को नगर आयुक्त ने नूतन राजधानी अंचल और बांकीपुर अंचल के विभिन्न वार्डों का दौरा कर मानसून पूर्व तैयारियों, नाला उड़ाही कार्यों और जलनिकासी व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। इसके साथ ही पटना मेयर सीता साहू, डिप्टी मेयर रेशमी चंद्रवंशी और नगर निगम के सभी 75 वार्ड पार्श्वों के लिए भत्ता की राशि का आवंटन कर दिया गया है। इस संबंध में नगर आयुक्त द्वारा कुल 8.38 लाख रुपये की राशि स्वीकृत और आवंटित की गई है। यह आवंटन सितंबर 2025 से दिसंबर 2025 की अवधि के लिए किया गया है।

वर्धमान क्षेत्र में मैनहोल टूटी, मीठापुर बी-टाइप में हुआ जलजमाव: इस निरीक्षण के दौरान वार्ड संख्या 19 स्थित वर्धमान क्षेत्र में पाया गया कि पुल निर्माण निगम द्वारा चलाए जा रहे निर्माण कार्यों के दौरान एक महत्वपूर्ण मैनहोल क्षतिग्रस्त हो गया है। इसके कारण मीठापुर बी-टाइप और वार्ड संख्या 18 के



आसपास जलनिकासी प्रभावित हो रही है और जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो रही है। नगर आयुक्त ने समस्या के स्थायी समाधान के लिए पुल निर्माण निगम और बुडको को प्रार्थमिकता के आधार पर नए मैनहोल का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया। वार्ड संख्या 16 में झुनझुन महल जनता रोड से बाइपास तक निर्माणाधीन सड़क परियोजना का निरीक्षण करते हुए नगर आयुक्त ने संबंधित एजेंसी को 15 जून तक परियोजना का कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया, ताकि मानसून के दौरान स्थानीय नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं, वार्ड संख्या 15 के ब्रह्मस्थान क्षेत्र में

बुडको द्वारा निर्माणाधीन बॉक्स ड्रेन परियोजना का भी निरीक्षण किया गया। नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि मानसून शुरू होने से पूर्व शेष सभी कार्यों को पूरा किया जाए।

15 जून तक बाकरगंज नाला में जल प्रवाह होने चाहिए सुचारु: इस निरीक्षण के दौरान कदमकुआं, भंवर पोखर सहित अन्य क्षेत्रों में चल रहे नाला उड़ाही कार्यों की भी समीक्षा की गई। नगर आयुक्त ने स्वयं मौके पर सिल्ट लेवल की जांच कर सफाई कार्यों की गुणवत्ता का आकलन किया गया। वार्ड संख्या 36 स्थित पीरमुहानी सम्प के निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने बुडको के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि 15 जून तक बाकरगंज नाला में मौजूद सभी अवरोधों को हटाकर जल प्रवाह को पूरी तरह सुचारु किया जाए। वार्ड संख्या 38 में ए.एन. पथ और कांग्रेस मैदान क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि पथ निर्माण विभाग द्वारा सड़क की पिचिंग के दौरान पूर्व से निर्मित कई मैनहोल ढक दिए गए हैं, जिससे भविष्य में जलनिकासी व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सड़क निर्माण विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर सभी क्षतिग्रस्त एवं ढंके हुए मैनहोलों को तत्काल चिह्नित कर उन्हें दुरुस्त कराने का निर्देश दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सहरसा में हुआ वृक्षारोपण जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मियों ने लिया भाग

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला निर्वाचन कार्यालय, सहरसा द्वारा ईवीएम/वीवीपेट वेयरहाउस परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए पौधारोपण किया। कार्यक्रम में उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री एलन अरविंद जॉन, अवर निर्वाचन पदाधिकारी (सरर) श्री अरुण कुमार, प्रधान सहायक श्री प्रमोद कुमार झा, उच्च वर्गीय लिपिक श्री अनिल कुमार सहित जिला निर्वाचन कार्यालय के अन्य कर्मी उपस्थित रहे। सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों ने पर्यावरण संरक्षण का



संदेश देते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। इस पहल

का उद्देश्य पर्यावरण संतुलन बनाए रखना तथा समाज को हरित भविष्य की ओर प्रेरित करना है।

स्वदेशी जागरण मंच ,देवघर ने विश्व पर्यावरण दिवस पर किया वृक्षारोपण , पर्यावरण संरक्षण का लिया - संकल्प

लोकतंत्र की शान

देवघर। विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर पर्यावरण संरक्षण अभियान को गति प्रदान करते हुए स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्थानीय टावर चौक स्थित आर॰ मित्रा ० स्कूल परिसर में वृक्षारोपण किया गया इस अवसर पर मंच के प्रांत समन्वयक मनोज सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर यह दिन हमें याद स्मरण कराता है ,कि स्वच्छ पर्यावरण केवल प्रकृति का विषय नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व, संवैधानिक मूल्यों , और सभ्यता के भविष्य का प्रश्न है। जल, जलल ,जमीन ,स्वच्छ वायु और जैव विविधता केवल संसाधन नहीं , बल्कि जीवन का आधार स्तंभ है। मंच के जिला संयोजक संजय सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण अभियान को वास्तविक गति प्रदान



करने की सख्त आवश्यकता है ।जिला मीडिया प्रभारी श्री प्रभाष गुप्ता ने कहा पृथ्वी केवल वर्तमान पीढ़ी की संपत्ति नहीं है। बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों की अमानत भी है इसलिए प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं ,बल्कि सटीक रूप से नैतिक

और सामाजिक जिम्मेदारी भी है। मौके पर, मनोज सिंह, संजय सिंह, प्रभाष गुप्ता, अमर सिंहा, माया केसरी, आशा कुमारी,गीरी शंकर शर्मा, जीवेश सिंह, गिरीश सिंह ,इत्यादि अनेकों लोग मौजूद थे। सबो ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।



करने के लिए पर्यावरण प्रकृति का दिया हुआ सबसे सुंदर उपहार है। पर्यावरण से हमें वे सभी संसाधन उपलब्ध होते हैं, जो किसी भी सजीव प्राणी के जीवित रहने के लिए आवश्यक हैं। इसके अभाव में जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।”

कर्तव्य और सुरक्षा पर दिया जोर—वहीं, शिक्षक अमरेंद्र

दास ने भविष्य में मानव जीवन के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए पर्यावरण की सुरक्षा को अनिवार्य बताया। शिक्षिका शालू तोमर ने अपनी बात रखते हुए कहा कि मातृभूमि के ऋण को चुकाने और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए समाज के हर एक व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करना चाहिए।

मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला को ट्रक ने कुचला, मौत

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत मरांची थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह मॉर्निंग वॉक कर रही महिला को एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। इस दर्दनाक सड़क हादसे में 52 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसा बादपुर गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ था। मृतका की पहचान मरांची इंग्लिश गांव निवासी बच्ची देवी (52), पति सुरेश साव के रूप में हुई है।

परिजनों और स्थानीय लोगों के अनुसार, बच्ची देवी रोजाना की तरह सुबह टहलने निकली थीं। इसी दौरान लखीसराय से मोकामा की ओर जा रहे एक ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर एनएच किनारे एक गड्ढे में लुढ़क गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि चालक को झपकी आने के कारण ट्रक पर नियंत्रण नहीं



बाढ़ में हादसे के बाद गड्ढे में जा पलटा ट्रक, फरार ड्राइवर की तलाश जारी

रहा, जिससे यह दुर्घटना हुई। घटना के बाद इलाके में अफरा-पफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। सूचना मिलते ही मरांची थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि हादसा सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुआ।

संक्षिप्त समाचार

पर्यावरण दिवस पर मेड़ता रोड में हरियाली का संदेश

वृक्षारोपण के साथ पक्षियों के लिए परिडों का वितरण



लोकतंत्र की शान , मेड़ता रोड, एजाज अहमद उस्मानी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मेड़ता रोड क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्रह्मणी माता तालाब परिसर स्थित सरोवरेश्वर महादेव मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ-साथ पक्षियों के लिए परिडों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधरोपण करने और पक्षियों के लिए जल व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की। इस अवसर पर संत गोवर्धनदास रामसेही ने सभी से आग्रह किया कि बढ़ते तापमान और जल संकट को देखते हुए हर व्यक्ति अपने स्तर पर वृक्षारोपण और परिडों की व्यवस्था अवश्य करें। इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमी नरेन्द्र जोशी, व्याख्याता सत्येन्द्र तिवाड़ी, बाबूलाल वैष्णव, हरिदत्त शर्मा, मनोहरलाल हटीला, गोपाल दवेरा, भरतसिंह राठौड़, सूरजकलां, राजकुमारी नागर सहित बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प लिया और अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा जीव-जंतुओं के संरक्षण का संदेश दिया।

प्रकृति संरक्षण से ही सुरक्षित होगा भविष्य : विधायक रीती पाठक

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम मौहरिया कला में विधायक रीती पाठक के मुख्य आतिथ्य में पौधारोपण, श्रमदान, वृक्ष पूजन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत “एक पेड़ मां के नाम” अभियान अंतर्गत छात्रावास परिसर में पौधारोपण किया गया तथा सूखा नदी में श्रमदान कर जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विधायक रीती पाठक ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण ही आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करेगा। उन्होंने अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने भी पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य, आयुष एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जागरूकता शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही पर्यावरण संरक्षण में विशेष योगदान देने वाले वृक्ष मित्रों एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

अवैध रेत परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, हाइवा वाहन जप्त



(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विकास मिश्रा तथा पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन एवं जिला खनिज अधिकारी कपिलमून शुक्ला के मार्गदर्शन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज विभाग के दल द्वारा सिहावल तहसील अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान ग्राम सजवानी, तहसील सिहावल क्षेत्र में खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए एक हाइवा वाहन क्रमांक एमपी 53 एएच 2183 को पकड़ा गया। जांच के समय वाहन चालक पुष्पराज द्विवेदी, निवासी ग्राम तेंदुबा, पोस्ट बरबंथा, तहसील बहरी द्वारा रेत परिवहन से संबंधित कोई वैध अनुमति अथवा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। दस्तावेजों के अभाव में वाहन को नियमावसार जब्त कर सुरक्षार्थ थाना अभिलिया की अभिरक्षा में भेजा गया है। इसके अलावा भाूपू गैंग से जुड़ी इस सनसनीखेज वारदात के बाद पुलिस विभाग ने लापरवाही और कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर सख्त कदम उठाया है। विभाग ने सीआईए टोहाना ईंचार्ज अशोक कुमार को तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। उनके स्थान पर इंसपेक्टर कुलदीप मोर को नया सीआईई ईंचार्ज बनाया गया है। विभागीय स्तर पर की गई इस कार्रवाई की अपराधियों और डलुलमल खेया अपनाने वाले अधिकारियों के खिलाफ एक कड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

फतेहाबाद : भूना हत्याकांड के बाद थाना प्रभारी बदले, सीआईए इंचार्ज निलंबित

लोकतंत्र की शान , फतेहाबाद। भूना में बदमाशों द्वारा एक युवक की तेजधार हथियारों से हमला कर हत्या करने के बाद फतेहाबाद की पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर बेहद सख्त रुख में नजर आ रही हैं। जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कई बड़े प्रशासनिक फेरबदल किए हैं। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जनता की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा और किसी भी प्रकार की अपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वारदात के बाद जवाबदेही तय करते हुए सबसे पहला बड़ा बदलावा भूना थाने में किया गया है। अब विजेंद्र हुड्डा को भूना थाने का नया एसएचओ नियुक्त किया गया है। वे ओमप्रकाश बिश्नोई का स्थान लेंगे, जिन्हें पद से हटा दिया गया है। ओमप्रकाश को इकोनॉमिक सेल में भेजा गया है। इसके अलावा भाूपू गैंग से जुड़ी इस सनसनीखेज वारदात के बाद पुलिस विभाग ने लापरवाही और कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर सख्त कदम उठाया है। विभाग ने सीआईए टोहाना ईंचार्ज अशोक कुमार को तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। उनके स्थान पर इंसपेक्टर कुलदीप मोर को नया सीआईई ईंचार्ज बनाया गया है। विभागीय स्तर पर की गई इस कार्रवाई की अपराधियों और डलुलमल खेया अपनाने वाले अधिकारियों के खिलाफ एक कड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

बढ़ती महंगाई से घर-घर का चूल्हा हो गया बंद पराग गावा

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र करनाल के रिपोर्ट

जब घर का चूल्हा महंगाई से जल रहा हो, युवा बेरोजगारी से टूट रहा हो और परिवार असुरक्षा में जी रहा हो, तब उपलब्धियों के दावे जनता के चारों पर नमक छिड़कने जैसे लगते हैं” जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी) के अध्यक्ष पराग गाबा ने मुख्यमंत्री द्वारा एबीपी न्यूज को दिए गए इंटरव्यू पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि साढ़े ग्यारह वर्षों की उपलब्धियों के दावों और धरातल पर जनता की वास्तविक स्थिति में बहुत बड़ा अंतर दिखाई देता है। पराग गाबा ने कहा कि सरकार भले ही मंचों और टीवी स्क्रीडियो में विकास की तस्वीर पेश कर रही हो, लेकिन प्रदेश का आम नागरिक आज भी महंगाई, बेरोजगारी और असुरक्षा जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। जिस मां की रसोई का बजट हर महीने बिगड़ रहा हो, जिस पिता को अपने बच्चों की पढ़ाई और घर के खर्चों की चिंता सताती हो, जिस युवा की आंखों में रोजगार के सपने धीरे-धीरे धुंधले पड़



रहे हों, उसके लिए उपलब्धियों के बड़े-बड़े दावे कोई मायने नहीं रखते। उन्होंने कहा कि हरियाणा का युवा आज अवसर नहीं, ईंतजार पा रहा है। पढ़ाई पूरी करने के बाद भी लाखों युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं। उनके सपनों की उम्र बढ़ रही है, लेकिन रोजगार के अवसर नहीं। जब युवाओं का आत्मविश्वास टूटता है तो केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरा परिवार और समाज

प्रभावित होता है। पराग गाबा ने कहा कि महंगाई ने हर वर्ग को प्रभावित किया है। रसोई से लेकर बाजार तक और खेती से लेकर छोटे कारोबार तक, हर क्षेत्र बढ़ती लागत और घटती बचत की मार झेल रहा है। आम परिवार अपने सपनों को छोटा करने के लिए मजबूर है। यह वह सच्चाई है जिसे आंकड़ों और विज्ञापनों से नहीं छिपाया जा सकता।

संविदा कर्मचारियों की लगातार जारी है हड़ताल

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एनएचएम के अंतर्गत कार्यरत संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल तीसरे दिन भी जारी रही। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिले के संविदा कर्मचारी लगातार आंदोलनरत हैं, जिसके चलते जिले की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने लगी हैं। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के अनुसार जिले में लगभग 400 संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी कार्यरत हैं। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में नियमितीकरण, महंगाई भत्ता, स्वास्थ्य बीमा तथा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली एनपीएस का लाभ शामिल है। संघ का कहना है कि उनकी कुछ मांगें वर्ष 2023 की सामान्य प्रशासन विभाग की नीति में भी शामिल हैं, लेकिन अब तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा उन्हें लागू नहीं किया गया है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उनकी छुट्टियों में कटौती



की गई है तथा अप्रेजल मूल्यांकन प्रक्रिया को पुनः शुरू कर दिया गया है। संघ का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा अप्रेजल व्यवस्था को अनुचित बताते हुए इसे समाप्त करने की बात कही गई थी, इसके बावजूद इसे फिर से लागू किया गया है। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ सीधी के अध्यक्ष राजीव गौतम ने बताया कि सभी कैडर के कर्मचारी हड़ताल में शामिल हैं, जिससे जिले

सहित प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 8 जून 2026 से मुख्यमंत्री निवास को घेराव किया जाएगा। संघ ने कहा है कि हड़ताल के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रकार की असुविधा और स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव की जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी।

नागौर जिले में 1 से 30 जून तक “ऑपरेशन उमंग-7” चलेगा

» बाल श्रम व मानव तस्करी के खिलाफ सख्त अभियान

लोकतंत्र की शान

मेड़ता रोड , एजाज अहमद उस्मानी। राजस्थान पुलिस (सिविल राइट्स एवं एएचटी) की ओर से प्रदेशभर में बाल संरक्षण, मानव तस्करी, भिक्षावृत्ति एवं बाल श्रम उन्मूलन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नागौर जिले में 1 जून 2026 से 30 जून 2026 तक “ऑपरेशन उमंग-7” संचालित किया जाएगा। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (सिविल राइट्स एवं एएचटी) द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार इस अभियान का उद्देश्य समाज में व्याप्त बाल अधिकारों के उल्लंघन, बाल श्रम, लापता बच्चों की तलाश, भिक्षावृत्ति और मानव तस्करी जैसी गंभीर समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। इस अभियान के सफल क्रियाव्यवन को लेकर नागौर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिला स्तर के वरिष्ठ



अधिकारियों, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, शिक्षा विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में अभियान की रणनीति, समन्वय और प्रभावी कार्रवाई को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अभियान के दौरान बाल अधिकारों के संरक्षण हेतु विशेष टीमें गठित की जाएंगी, जो जिले में सक्रिय रूप से बाल श्रम रोकथाम, रेस्क्यू ऑपरेशन और

जागरूकता गतिविधियाँ संचालित करेंगी। साथ ही सार्वजनिक स्थानों, दाबों, फैक्ट्रियों, होटलों एवं अन्य संदिग्ध स्थलों पर भी निगरानी रखी जाएगी। प्रशासन ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, लापता बच्चों की त्वरित तलाश सुनिश्चित करने तथा पीड़ित बच्चों को पुनर्वास एवं संरक्षण दिलाने के निर्देश दिए हैं। पुलिस प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि

यदि कहीं बाल श्रम, भिक्षावृत्ति या मानव तस्करी की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस या संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके और बच्चों को सुरक्षित जीवन प्रदान किया जा सके। यह अभियान 30 जून तक पूरे जिले में प्रभावी रूप से चलाया जाएगा और इसमें संबंधित सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

सीधी पुलिस ने विश्व पर्यावरण दिवस पर किया वृहद वृक्षारोपण

» पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में पुलिस थानों और चौकियों में रोपे गए फलदार एवं छायादार पौधे

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर आज जिला पुलिस सीधी द्वारा प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण संतुलन का संदेश देते हुए पूरे जिले में एक वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। यह संपूर्ण आयोजन पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव के नेतृत्व में संपन्न हुआ। अभियान के तहत जिले के समस्त पुलिस कार्यालयों, थानों और



चौकियों में फलदार एवं छायादार पौधों का बड़े पैमाने पर रोपण किया गया। मुख्य कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव ने प्रकृति संरक्षण और नागरिकों व पुलिस की जिम्मेदारियों पर अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि सुरक्षा सिर्फ सीमाओं की

नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरण की भी उतनी ही जरूरी है। आज के समय में दूषित हो रहे पर्यावरण को बचाना हम सभी का परम कर्तव्य है। पुलिस बल जहाँ एक ओर समाज में कानून व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, वहाँ दूसरी ओर प्रकृति की सुरक्षा के प्रति भी हमारी उत्तनी ही जवाबदेही बनती है। एक पौधा लगाना, आने वाली पीढ़ियों को जीवनदान देने के समान है।

निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल: एन एच -458 के नाले पहली बारिश में ही टूटे

लोकतंत्र की शान

मेड़ता रोड, एजाज अहमद उस्मानी। जसनगर कस्बे के बालाजी नगर की ओर जाने वाले मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग-458 पर वर्षा जल निकासी व्यवस्था पहली ही बारिश में ही धराशायी हो गई। आरएसआरडीसी विभाग द्वारा हाल ही में बनाए गए नाले कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे बारिश का पानी सीधे सड़क पर बहने लगा और यातायात प्रभावित हो गया। तेज बारिश के बाद नालों के टूटने और क्षतिग्रस्त होने से जल निकासी पूरी तरह बाधित हो गई। इसके चलते सड़क पर भारी मात्रा में पानी जमा हो गया, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर जलभराव इतना अधिक हो गया कि आवागमन भी धीमा पड़ गया। स्थानीय



ग्रामीणों का कहना है कि नालों का निर्माण कुछ समय पहले ही किया गया था, लेकिन पहली ही अच्छी बारिश ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया, जिसके कारण यह स्थिति बनी। ग्रामीणों ने चिंता जताई कि यदि समय रहते क्षतिग्रस्त नालों की मरम्मत नहीं करवाई गई तो आगामी

बारिशों में हालात और बिगड़ सकते हैं। लगातार सड़क पर पानी बहने से NH-458 की सड़क सतह को भी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और आरएसआरडीसी विभाग से मामले की तत्काल जांच कराने, दोषी ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा नालों की शीघ्र मरम्मत सुनिश्चित करने की मांग की है।

थाना दीमरखेड़ा में आदतन अपराधियों की चेकिंग



लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में, श्रीमान अति पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ श्री संतोष डेहरिया एवं एस डी ओ पी महोदय स्लीमनाबाद श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी के निर्देशन में दीमरखेड़ा थाना क्षेत्र में आदतन अपराधियों, निगरानी बदमाशों एवं अन्य संदिग्ध व्यक्तियों की सघन चेकिंग एवं सत्यापन की कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा आदतन अपराधियों की वर्तमान गतिविधियों, आजीविका एवं आपराधिक प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही उन्हें अपराध से दूर रहने एवं कानून व्यवस्था भंग न करने की

समझाइश दी गई। जिन व्यक्तियों के विरुद्ध पूर्व में आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध रहे हैं, उनकी गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। चेकिंग अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों एवं असामाजिक तत्वों की भी जांच की गई तथा सार्वजनिक स्थानों पर अनावश्यक रूप से घूमने वाले व्यक्तियों से पूछताछ की गई। पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं अपराधों की रोकथाम हेतु इस प्रकार के अभियान निरंतर संचालित किए जाते रहेंगे। पुलिस प्रशासन आमजन से अपील करता है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा व्यक्ति की जानकारी तत्काल स्थानीय पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा सके।

पर्यावरण दिवस पर मैहर प्रशासन को विशेष बधाई

» ग्राम कुबरी में पर्यावरण संरक्षण की ऐसी अनूठी मिसाल

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

मैहर जिले के रामनगर तहसील अंतर्गत ग्राम कुबरी में पर्यावरण संरक्षण की ऐसी अनूठी मिसाल गढ़ी गई है, जिसकी जानकारी शायद जिले की आम जनता को नहीं है। लेकिन पूरे प्रदेश और देश को इस उपलब्धि से अवगत कराया जाना चाहिए। जब पूरी दुनिया पर्यावरण बचाने के लिए पेड़ लगा रही थी, तब कुबरी में नदी की छाती चीरकर रेत निकालने का अभियान जारी रहा। जनपद सदस्य राजेंद्र सिंह (मुन्ना) ने रामनगर थाना, तहसीलदार, एसडीएम, कलेक्टर, आईजी और आयुक्त तक शिकायतें भेजीं, लेकिन लगता है कि शिकायतों की फाइलें भी रेत के ढेर में कहीं दफन हो गईं। नदी का स्वरूप बिगड़ा, भूजल स्तर गिरा, कटाव और बाढ़ का खतरा बढ़ा, जैव विविधता प्रभावित हुई, धूल और प्रदूषण ने अपना साम्राज्य फैलाया—लेकिन



प्रशासन की दृढ़ इच्छाशक्ति नहीं डिंगी। अवैध उत्खनन के इस कथित खेल को रोकने के बजाय ऐसा प्रतीत हुआ मानो उसे मौन संरक्षण प्राप्त हो।पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में यह एक नई परिभाषा है—जहां बचाने की बातें मंचों पर होती हैं और बिगाड़ने का काम धरातल पर। यदि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने की कोई प्रतियोगिता होती, तो कुबरी का उदाहरण निस्संदेह पुरस्कार योग्य

माना जाता।आज पर्यावरण दिवस पर सवाल सिर्फ इतना है कि यदि प्रशासन पर्यावरण संरक्षण का दावा करता है, तो कुबरी की नदी, उसके किनारे, उसका घटना जलस्तर और वहां उठती धूल आखिर किसकी गवाही दे रहे हैं? पर्यावरण दिवस के भाषणों और जमीनी हकीकत के बीच बहती यह रेत बहुत कुछ कह रही है—बस सुनने की इच्छा होनी चाहिए।

सांसद ने अमृत सरोवर में किया श्रमदान

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। धौहनी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जनपद पंचायत मझौली के ग्राम टिकरी में आयोजित जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम में सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अमृत सरोवर तालाब परिसर में श्रमदान किया तथा विधिवत पूजा-अर्चना कर जल संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकताओं में से एक है। आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जल स्रोतों का संरक्षण और संवर्धन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में चल रहे जल संरक्षण अभियान और अमृत सरोवर जैसी योजनाएं देशभर में जल संसाधनों को सहेजने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। सांसद ने प्रदेश सरकार द्वारा



जल संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की तथा आमजन से इन अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभी ने मिलकर जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त

समाचार

भारत-बांग्लादेश के बीच सीमा विवाद गरमाया, बीएसएफ- बीजीबी ने पलैंग मीटिंग की
ढाका (बांग्लादेश)। बांग्लादेश और भारत के बीच सीमा विवाद एक बार फिर गरमा गया है। बांग्लादेश ने दावा किया है कि भारत ने चार जून को 28 लोगों को बांग्लादेश की सीमा में धकेलने की कोशिश की। बार्डर गाडं बांग्लादेश’ (बीजीबी) ने कहा कि चापईनावाबगंज के गोमास्तापुर उपजिला के बंगाबाड़ी बार्डर इलाके में भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की इस कोशिश को उसने विफल कर दिया। प्रोथाम अलौ अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, चार हजार किलोमीटर से अधिक लंबी और जटिल भौगोलिक परिस्थितियों वाली इस अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मुस्तैदी बढ़ाते हुए बीजीबी ने कहा है कि किसी भी अवैध घुसपैठ को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस विषय पर गुरुवार दोपहर बंगाबाड़ी बार्डर पर बीजीबी और बीएसएफ के बीच औपचारिक बातचीत (पलैंग मीटिंग) हुई। दोनों पक्षों ने कहा कि इस मुद्दे पर अपने वरिष्ठ अधिकारियों से बात कर इसका समाधान निकाला जाएगा। बैठक के बाद बीजीबी की 16वीं बटालियन के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद आरिफुल इस्लाम मासूम ने पत्रकारों को यह जानकारी दी। कमांडर ने बताया कि इससे पहले बुधवार तड़के बीएसएफ के जवानों ने 28 लोगों को बांग्लादेश में धकेलने की कोशिश की थी। बीजीबी के विरोध के कारण यह कोशिश नाकाम रही। इन 28 लोगों में 12 पुरुष, 10 महिलाएं और 6 बच्चे शामिल हैं। वे फिलहाल सीमा पर ज़ीरो लाइन (नो मैस लैंड) पर रुके हुए हैं। उन्होंने कहा कि इन 28 लोगों को किसी भी हाल में बांग्लादेशी सीमा में घुसने नहीं दिया जाएगा। कमांडर आरिफुल इस्लाम ने बताया कि बंगाबाड़ी सीमा के कुछ हिस्से ऐसे हैं, जहां से लोगों को धकेलकर अंदर भेजना अपेक्षाकृत आसान होता है। बीएसएफ के जवान ऐसा ही करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमने सीमा पर पहले से ही अपनी चौकसी और सतर्कता बढ़ा दी है। बताया गया है कि इस संवेदनशील मुद्दे पर आठ से 11 जून के बीच नई दिल्ली में दोनों देशों के महानिदेशक स्तर की बैठक होने वाली है। बैठक में सीमा पर तनाव कम करने के मुद्दे पर चर्चा होने की उम्मीद है।

पीओके में हड़ताल से निपटने के लिए अतिरिक्त बल तैनात करने का फैसला

मुजफ्फराबाद (पीओके) पाकिस्तान। संघीय सरकार ने पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में नौ जून को ज्वाइंट अवाभी एक्शन कमेटी के विरोध प्रदर्शन (हड़ताल) के आह्वान के मद्देनजर अतिरिक्त सश्वित आर्माड फोर्स और पुलिस कर्मियों को तैनात करने का फैसला किया गया है। स्थानीय सरकार ने पर्यटकों के लिए चेतावनी भी जारी है। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट में सूत्रों के ब्वाले से बताया गया है कि 1,000 पंजाब रेंजर्स और 2,000 फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी के जवानों को पीओके भेजा जाएगा। इसके अलावा, पीओके में इस्लामाबाद पुलिस के 2,000 अधिकारी और सिंध पुलिस के 1,000 अधिकारी भी तैनात किए जाएंगे। पीओके सरकार ने पर्यटकों के लिए चेतावनी भी जारी की है। पीओके सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे प्रांत में प्रवेश करने से बचें और पांच जून से 20 जून के बीच गैरजरूरी यात्रा न करें। जो लोग पर्यटन या अन्य उद्देश्यों से इस क्षेत्र की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं, उन्हें अपनी यात्रा स्थगित करने की सलाह दी गई है। सरकार ने परामर्श में कहा कि विशेष प्रदर्शन की संभावना के कारण लोगों को यात्रा करने से बचना चाहिए। जो पर्यटक और तीर्थयात्री अभी इस क्षेत्र में हैं, उन्हें पांच जून की शाम तक यहां से चले जाने का निर्देश दिया गया है। सरकार ने यह भी चेतावनी दी है कि विरोध प्रदर्शन के आह्वान से पूरे पीओके में पर्यटन गतिविधियों पर अस्र पड़ सकता है। अधिकारियों ने कहा कि पर्यटकों और यात्रियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। एहतियाती उपाय के तौर पर संभावित विरोध प्रदर्शनों और लोगों की आवाजाही में रुकावट की आशंका को देखते हुए एक विशेष परामर्श जारी किया गया है।

जयपुर घूमने आई युगांडा की युवती में मिले इबोला जैसे लक्षण, स्वास्थ्य महकमे में हलचल

जयपुर। युगांडा से जयपुर घूमने आई 19 वर्षीय विदेशी युवती में इबोला वायरस से मिलते-जुलते लक्षण पाए गए हैं। उसे राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती किया गया है। फिलहाल संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है और जांच रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है, लेकिन राजस्थान का चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। यह युवती शुक्रवार सुबह एयर अरेबिया की फ्लाइट से शारजाह होते हुए जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंची थी। एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की नियमित मेडिकल स्क्रीनिंग के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा निदेशालय की टीम ने उसे संदिग्ध श्रेणी में रखा। युवती की टैबल हिस्ट्री युगांडा से जुड़ी होने और स्वास्थ्य संबंधी लक्षण मिलने पर उसे तत्काल विशेष प्रोटोकॉल के तहत आरयूएचएस अस्पताल भेजा गया। आरयूएचएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अनिल गुप्ता ने बताया कि युवती को बुखार, सिरदर्द, पेट दर्द और भूख नहीं लगने जैसे शिकायतें थीं। प्रारंभिक जांच में इबोला संक्रमण जैसे कुछ लक्षण मिले हैं, लेकिन केवल लक्षणों के आधार पर इसे इबोला नहीं माना जा सकता। संक्रमण की पुष्टि लैब रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। इलाज के लिए मेडिसिन, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, सर्जरी, रेस्पिरैटरी मेडिसिन, बायोकेमिस्ट्री सहित विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम गठित की गई है। मरीज की निगरानी के लिए 24 घंटे डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। आरयूएचएस के प्रिंसिपल डॉ. मोहनश्री ग्रोवर ने बताया कि युवती का एक सैपल जांच के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी), पुणे भेज दिया गया है, जबकि दूसरा सैपल 48 घंटे बाद भेजा जाएगा। दोनों जांच रिपोर्ट आने तक मरीज को क्वारंटाइन और आइसोलेशन में रखा जाएगा। यदि रिपोर्ट पॉजिटिव आती है तो निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार 21 दिन तक निगरानी में रखकर उपचार किया जाएगा। डॉ. ग्रोवर ने बताया कि युवती को एयरपोर्ट से अस्पताल तक पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ लाया गया। किसी भी प्रकार के संक्रमण के खतरे को रोकने के लिए विशेष बैरिकेडिंग और अलगा कॉरिडोर का उपयोग किया गया। मरीज को आरयूएचएस के क्रिटिकल केयर ब्लॉक के इमरजेंसी आइसोलेशन क्षेत्र में भर्ती किया गया है।

बंगाल में एनआईए की कार्रवाई : भांगर विस्फोट मामले में पूर्व तृणमूल विधायक शौकत मोल्ला फरार घोषित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के भांगर विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक शौकत मोल्ला को फरार घोषित कर दिया है। एनआईए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एजेंसी लगातार तलाशी अभियान चला रही है और आरोपित का पता लगाने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। कैनिंग पूर्व विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक शौकत मोल्ला के भूमिगत होने की आशंका जताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, उनके द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे सभी तीन मोबाइल फोन बंद हैं, जिससे उनकी लोकेशन ट्रैस नहीं हो पा रही है। एनआईए ने इस मामले में सभी संबंधित जानकारियों सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और अन्य एजेंसियों के साथ साझा कर दी हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आरोपित किसी भी स्थिति में देश की सीमा पार न कर सके। एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि शौकत मोल्ला को फरार घोषित कर दिया गया है और सभी संबंधित एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया है। उन्हें पकड़ने के लिए आवश्यक सूचनाएं साझा की गई हैं। सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसी को यह भी जानकारी मिली है कि मोल्ला अपने किसी रिश्तेदार के घर छिपे हो सकते हैं। इस आधार पर कई टीमें लगातार तलाशी और सत्यापन अभियान चला रही हैं। गौरतलब है कि, गुरुवार को एनआईए ने शौकत मोल्ला के आवास, पार्टी कार्यालय और अन्य कई स्थानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था, जिससे मामले में अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या तीन हो गई है। गिरफ्तार व्यक्ति को प्रेक्षान सईरपुर मोल्ला के रूप में हुई है, जो उस वाहन का चालक है, जिसका उपयोग कथित रूप से विस्फोटक बनाने वालों को ले जाने में किया गया था।

बीएसएफ त्रिपुरा से बंगाल व बिहार तक, सीमा पर हर चुनौती का कर रही है सामना

एजेंसी, नई दिल्ली

लंकामुड़ा (त्रिपुरा)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को त्रिपुरा के लंकामुड़ा स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की लंकामुड़ा सीमा चौकी (बीओपी) का निरीक्षण किया और सीमा प्रहरियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने अग्रतला में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमें देश को स्मरालिंग, मानव तस्करी, देश के युवाओं को नशे से सुरक्षित करना होगा। नारकोटिक्स हो, मानव तस्करी, हथियारों की स्मरालिंग या ड्रोन की चुनौती, बीएसएफ त्रिपुरा से बंगाल और बिहार तक, सीमा पर हर चुनौती का सफलतापूर्वक सामना कर रही इस दौरान त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, केन्द्रीय गृह सचिव, सीमा प्रबंधन और महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति



उपस्थित थे।

अमित शाह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सामाजिक समरसता, अखंडता और आत्मसम्मान के प्रति समर्पित गुरुजी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भले ही नई पीढ़ी को जाएंगे, जबकि अगले वर्ष 2 करोड़ वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया

मणिपुर में 47 करोड़ की चार लाख याबा गोलियां बरामद, एक गिरफ्तार

एजेंसी, इम्फाल

मणिपुर के ज़िरीबाम जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए गए एक बड़े संयुक्त अभियान में सुरक्षा बलों ने लगभग 47 करोड़ मूल्य की चार लाख याबा गोलियां बरामद की हैं। इस मामले में बिहार निवासी एक ट्रक चालक को गिरफ्तार किया गया है। शुक्रवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, विशेष खुफिया सूचना के आधार पर गुरुराव दोपहर ज़िरीबाम जिले के लोंगगोपेफी क्षेत्र में अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई में अस्त्र राइफल, मणिपुर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) तथा इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के जवान शामिल थे। संयुक्त दल ने एक टाटा मालवाहक ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली। जांच के दौरान वाहन में छिपाकर रखी गई चार लाख याबा गोलियां बरामद की गईं, जिन्हें तस्करी के उद्देश्य से ले जाया जा



रहा था। मौके से ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया, जो बिहार का निवासी बताया गया है। बरामद मादक पदार्थ और जब्त वाहन को कानूनी कार्रवाई तथा विस्तृत जांच के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया है। बरामद खेप के स्रोत, संभावित गंतव्य तथा तस्करी गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने इस कार्रवाई को मणिपुर में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को बड़ी सफलता बताया है। अधिकारियों का कहना है कि इस बरामदगी से राज्य में संचालित मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है।

तमिलनाडु : भाजपा छोड़ते ही के. अन्नामलाई ने ‘वी द पीपल’ आंदोलन का किया ऐलान

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु की राजनीति में शुक्रवार को तब एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया, जब भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देने के तुरंत बाद अपनी नई राजनीतिक पार्टी और आंदोलन की घोषणा कर दी। भाजपा से अलग होने के बाद सोशल मीडिया पर लाइव संबोधन में अन्नामलाई ने अपने नए राजनीतिक अभियान की रूपरेखा पेश करते हुए बताया कि उनके आंदोलन का नाम “वी द पीपल” होगा। उन्होंने कहा कि यह किसी व्यक्ति, परिवार या विशेष समूह का मंच नहीं, बल्कि आम नागरिकों की भागीदारी पर आधारित जनआंदोलन होगा, जिसका उद्देश्य राजनीति को जनता के अधिक निकत लाना है।

अपने संबोधन में अन्नामलाई ने खुलासा किया कि पिछले करीब 18 महीनों से भाजपा नेतृत्व के साथ कई वैचारिक और कार्यशैली संबंधी मुद्दों पर

नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रबी लामिछाने ने किए रामलला के दर्शन

एजेंसी, अयोध्या

नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के चेयरमैन एवं नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रबी लामिछाने अपनी पत्नी निकिता पौडेल के साथ शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन-पूजन किए। इस दौरान उन्होंने भारत और नेपाल की सुख-समृद्धि, शांति एवं आपसी सद्भाव को कामना की।

नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रबी लामिछाने के राम मंदिर पहुंचने पर रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गोपाल राव, भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं एलएलसी सुभाष यदुशर, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव सहित प्रशासनिक अधिकारियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री लामिछाने के साथ उनकी पत्नी निकिता पौडेल के अलावा अन्य लोगों ने रामजन्मभूमि



मंदिर में रामलला के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की।

रामलला के दर्शन के बाद लामिछाने ने कहा कि भारत और नेपाल के संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के नहीं हैं, बल्कि दोनों देशों को साझा संस्कृति, आस्था, सभ्यता और परंपराएं जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या की यात्रा उनके लिए अत्यंत आध्यात्मिक और भावनात्मक अनुभव रही है। उन्होंने भारत और नेपाल की सुख-समृद्धि, शांति एवं आपसी सद्भाव की कामना की। भाजपा के प्रदेश महामंत्री कहा कि वसुधैव कुटुंबकम्, शांति, सद्भाव और बंधुत्व हमारी संस्कृति और पहचान है।

पश्चिम बंगाल : मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे से पहले शुभेंदु अधिकारी दिल्ली रवाना

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में मंत्रिमंडल विस्तार और नए मंत्रियों के बीच विभागों के बंटवारे को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच शुक्रवार को राजनीतिक हलचल तेज हो गई। विभागों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी अचानक दिल्ली रवाना होने से राजनीतिक गलियारों में अटकलों का दौर शुरू हो गया है। सूत्रों के अनुसार, हाल ही में राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में 35 नए मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली थी। इसके बाद राज्य मंत्रिमंडल की पहली बैठक भी आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री ने की थी। इस बैठक के बाद यह संकेत दिया गया था कि शुक्रवार



को नए मंत्रियों के बीच विभागों का औपचारिक बंटवारा किया जाएगा।

इसी बीच, शुक्रवार सुबह राजनीतिक घटनाक्रम ने अचानक नया मोड़ ले लिया। नवरात्र से जुड़े सूत्रों के अनुसार, विभागों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही शुभेंदु सुबह करीब 11 बजे की उड़ान से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। हालांकि, प्रशासन या

राज्यसभा उपचुनाव: भाजपा प्रत्याशी देबाशीष सामंतराय ने किया नामांकन

एजेंसी, नई दिल्ली

भुवनेश्वर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा उपचुनाव उम्मीदवार देबाशीष सामंतराय ने शुक्रवार को ओडिशा से होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सामंतराय ने निर्धारित कार्यालय में तीन सेटों में नामांकन पत्र जमा किए। इस अवसर पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे और उन्होंने उम्मीदवार के प्रति अपना समर्थन जताया।

नामांकन दाखिल करने के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री कन्क वरधन सिंह देव, मंत्री सुरेश पुजारी, डॉ. मुकेश महालिंग, कृष्ण चंद्र पात्र तथा विधायक आकाश दास नायक सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। नामांकन दाखिल करने से पहले देबाशीष सामंतराय ने भुवनेश्वर स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल ने कहा कि देबाशीष सामंतराय के पार्टी में शामिल होने से भाजपा की ताकत



में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि आने वाले दिनों में कुछ अन्य नेता भी भाजपा का दामन थाम सकते हैं। राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने पर देबाशीष सामंतराय ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा, “भाजपा ने मुझ पर विश्वास जताया है। मैं राज्य के विकास और जनता के हित में जो भी आवश्यक होगा, उसे पूरी निष्ठा के साथ पूरा करूंगा।”

ओडिशा राज्यसभा उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और भाजपा ने सामंतराय को इस चुनाव में अपना प्रमुख उम्मीदवार बनाया है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व सामंतराय ने बीजू जनता दल तथा राज्यसभा से त्यागपत्र दिया था । इसके बाद वह नई दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गये थे । गुरुवार को ही भाजपा ने राज्यसभा उम्मीदवार के लिए उनके नाम की घोषणा की थी।

पश्चिम बंगाल : मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे से पहले शुभेंदु अधिकारी दिल्ली रवाना

गौरतलब है कि, मंत्रिमंडल विस्तार के बाद विभागों के बंटवारे को लेकर पहले से ही असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। इसी बीच इस तरह अचानक हुई यात्रा ने राज्य की राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। दरअसल, दिल्ली दौरे के बाद स्थिति और स्पष्ट हो सकती है तथा राज्य की राजनीतिक दिशा में किसी बड़े बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। फिलहाल न तो राज्य सरकार और न ही संबंधित राजनीतिक दल की ओर से इस पूरे घटनाक्रम पर कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि शुभेंदु के शुक्रवार देर रात तक कोलकाता लौटने की संभावना है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि दिल्ली यात्रा के बाद राज्य की राजनीतिक समीकरणों में क्या नया मोड़ आता है।

राज्यसभा चुनाव के लिए मल्लिकार्जुन खरगे ने नामांकन दाखिल किया

एजेंसी, बेंगलुरु

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक से राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। राज्यसभा चुनाव 18 जून को होना है। नामांकन दाखिल करने के दौरान केंसी वेणुगोपाल, राहुल गांधी, मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, रणदीप सिंह सूरजेवाला तथा कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद सहित अनेक प्रमुख नेता उपस्थित थे। शुक्रवार को बेंगलुरु स्थित विधान सभा आभारी हूं। खरगे ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत को लेकर पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की एकजुटता, अनुशासन और संगठित कार्यशैली ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि यदि विधायक, नेता और कार्यकर्ता मिलकर काम करें तो कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत निश्चित है।



हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उनकी उम्मीदवारी को पार्टी के सभी विधायकों और नेताओं का एकजुट समर्थन प्राप्त है। कहा कि आज मैंने अपना नामांकन दाखिल किया है। सभी विधायक और पार्टी के नेताओं ने मुझे उम्मीदवार के रूप में चुना है। मैं उनके विश्वास और समर्थन के लिए उनका आभारी हूं। खरगे ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत को लेकर पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की एकजुटता, अनुशासन और संगठित कार्यशैली ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि यदि विधायक, नेता और कार्यकर्ता मिलकर काम करें तो कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत निश्चित है।

छत्तीसगढ़ का शराब और डीएमएफ घोटाला, ईडी ने की 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की चल-अचल संपत्ति कुर्क

एजेंसी, रायपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब और डीएमएफ घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और जांच एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई की है।इस संबंध में अनवर देबर और सेवानिवृत्त आईएएस अनिल टुटेजा सिंडिकेट की अब तक 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की चल-अचल संपत्ति कुर्क (अटैच) की गई है। सिंडिकेट पर चार बड़े घोटालों शराब, कोयला, सट्टा और डीएमएफ से करीब 4,000 करोड़ रुपये की अवैध कमाई करने का आरोप है।

जांच एजेंसी ने हाल ही में तीन प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर जारी किए। इन संपत्तियों की कागजी कीमत (डीड वैल्यू) करीब 200 करोड़ रुपये है, जबकि बाजार मूल्य 1,000 करोड़ से 1,400



करोड़ रुपये से अधिक आंका गया है। कुर्क की गई संपत्तियों में रायपुर की पॉश ‘देबर सिटी’ की बेनामी संपत्तियां और गोवा का आलीशान होटल वेस्टन शामिल हैं।

ईडी के मुताबिक, गोवा का यह होटल शराब घोटाले की 110 करोड़ रुपये की काली कमाई से

खरीदा गया था। सिंडिकेट से जुड़ी तीन सत्यावर कंपनियां,आम साईं बेवरेजेस, दिशिता वेंचर्स और नेक्सजेन पावर इजीटेक के 51 करोड़ रुपये के बैंक खाते, शेयर और थ्यूअल फंड फ्रीज किए गए हैं। इन कंपनियों से जबरन 50-60 प्रतिशत मुनाफा वसूला जाता

था। केवल शराब घोटाले से ही 2,883 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध कमाई की गई। यह खेल नकली होलेोग्राम वाली अवैध देसी शराब बेचने, डिस्टिलर्स से प्रति पेंटी फिक्स कमिशन वसूलने और मनमाने लाइसेंस बांटकर खेला गया।

उल्लेखनीय है कि प्रवर्तन निदेशालय ने रायपुर की विशेष पीएमएलए अदालत में मामले की छठी पूरक चार्जशीट 1 जून 2026 को दाखिल की है। इस छठी पूरक चार्जशीट में ईडी ने चार नए लोगों को आरोपित किया है, जिनमें व्यवसायी विजय भाटिया , टी. भुवनेश्वर राव, प्रोबीर शर्मा और निखिल चंद्राकर शामिल हैं। चार नए नामों के जुड़ने के बाद इस पूरे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कुल आरोपितों की संख्या बढ़कर 85 हो गई है।

आयकर (संशोधन) अध्यादेश, 2026 ज़ारी- विदेशी निवेशकों को जी-सेक पर टैक्स छूट:क्या भारत वैश्विक पूंजी का नया चुंबक बन रहा है? -भारतीय ऋण बाजार, रुपया और शेयर बाजार पर दूरगामी प्रभाव का व्यापक विश्लेषण



एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गोदिया - वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा संकट,ऊँची ब्याज दरों और पूंजी प्रवाह की अनिश्चतताओं के दौर से गुजर रही है। अमेरिका-इजराइल- ईरान संघर्ष,कच्चे तेल की कीमतों में उतार- चढ़ाव और उभरती अर्थव्यवस्थाओं से विदेशी पूंजी के निकास ने अनेक देशों की मुद्राओं और वित्तीय बाजारों पर दबाव बढ़ाया है। विशेष रूप से पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, तेल कीमतों में अस्थिरता तथा वैश्विक निवेशकों की जोखिम से बचने की प्रवृत्ति ने उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए नई चुनौतियां पैदा कर दी हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा है। पिछले कुछ महीनों में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय बाजारों से पूंजी निकासी, डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने भारतीय रुपये पर दबाव बढ़ाया।ऐसे समय में भारत सरकार द्वारा 5 जून 2026 को जारी आयकर (संशोधन) अध्यादेश, 2026 केवल एक कर सुधार नहीं बल्कि एक व्यापक रणनीतिक आर्थिक कदम के रूप में देखा जा रहा है। इस अध्यादेश के माध्यम से विदेशी पेट्रोलियम निवेशकों तथा बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स

» विदेशी निवेशकों को दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर लगभग 12.5 प्रतिशत तथा ब्याज आय पर 20 प्रतिशत तक विदहोल्डिंग टैक्स ढ़ो जीरो किया

» भारत सरकार द्वारा 5 जून 2026 को जारी आयकर (संशोधन) अध्यादेश, 2026 केवल एक कर सुधार नहीं बल्कि एक व्यापक रणनीतिक आर्थिक कदम के रूप में देखा जा रहा है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र

(बीआईएस) को सरकारी प्रतिभूतियों से प्राप्त ब्याज आय और पूंजीगत लाभ पर पूर्ण आयकर छूट प्रदान की गई है, जो 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगी। पहले विदेशी निवेशकों को दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर लगभग 12.5प्रतिशत तथा ब्याज आय पर 20 प्रतिशत तकविदहोल्डिंग टैक्स का सामना करना पड़ता था, जबकि अब यह कर भार समाप्त हो गया है। यह निर्णय भारत को वैश्विक निवेश प्रतिस्पर्धा में अधिक आकर्षक बनाने, विदेशी पूंजी प्रवाह को बढ़ाने, रुपये पर दबाव कम करने, ऋण बाजार को गहरा करने तथा शेयर बाजार को नई मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि यदि इस कर राहत का प्रत्यक्ष वित्तीय प्रभाव देखा जाए तो यह विदेशी निवेशकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। उदाहरण के लिए यदि कोई विदेशी पेंशन फंड भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों में 1000



करोड़ रुपये का निवेश करता है और उसे 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज प्राप्त होता है, तो पहले 70 करोड़ रुपये की ब्याज आय पर 20 प्रतिशत तक कर देयता उत्पन्न होती थी, अर्थात लगभग 14 करोड़ रुपये कर के रूप में चले जाते थे। अब यह पूरी राशि निवेशक के पास रहेगी। इसी प्रकार यदि किसी विदेशी निवेशक को सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री से 100 करोड़ रुपये का दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ प्राप्त होता था तो लगभग 12.5 करोड़ रुपये कर के रूप में देने पड़ते थे। नए प्रावधानों के बाद यह राशि भी पूर्णतः बच जाएगी। अर्थात एक बड़े संस्थागत निवेशक के लिए कुल कर बचत कई करोड़ रुपये प्रतिवर्ष तक पहुंच सकती है। यही कारण है कि वैश्विक पेंशन फंड, बीमा कंपनियां, संप्रभु धन कंघ और दीर्घकालिक निवेशक भारत को अब पहले से कहीं अधिक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में सटीकतः देख सकते हैं। साथियों बात अगर हम इस सुधार का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य को समझने की करें तो, भारतीय ऋण बाजार को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। विश्व के अनेक विकसित और उभरते देशों ने विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सरकारी बॉन्ड्स पर कर संबंधी रियायतें दी हुई हैं। भारत में अपेक्षाकृत अधिक

कराधान विदेशी निवेशकों के लिए एक बाधा माना जाता था। अब जब यह बाधा समाप्त हो गई है तो भारतीय सरकारी प्रतिभूतियां वैश्विक निवेशकों के लिए अधिक लाभकारी और प्रतिस्पर्धी बन जाएंगी। इससे भारतीय बॉन्ड बाजार की गहराई बढ़ेगी, लेन-देन की मात्रा में वृद्धि होगी और भारत की वित्तीय प्रणाली में दीर्घकालिक स्थिर पूंजी का प्रवाह सुनिश्चित होगा।यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब पिछले कुछ महीनों से वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण भारतीय रुपये पर दबाव देखा जा रहा था। तेल आयत पर अत्यधिक निर्भरता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का सीधा प्रभाव भारतीय मुद्रा पर पड़ता है। यदि विदेशी निवेशक बड़ी मात्रा में डॉलर लेकर भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं तो विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि होगी और डॉलर का आपूर्ति बढ़ने से रुपये को समर्थन मिलेगा। यद्यपि किसी एक नीति के कारण रुपये में तत्काल और नाटकीय मजबूती की अपेक्षा नहीं की जा सकती, लेकिन मध्यम और दीर्घकालिक अवधि में यह कदम रुपये की स्थिरता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मजबूत रुपया न केवल आयत लागत को नियंत्रित करता है बल्कि विदेशी



निवेशकों के लिए मुद्रा जोखिम भी कम करता है, जिससे भारत में और अधिक निवेश आकर्षित होने की संभावना सटीकता से बनती है। साथियों, भारतीय शेयर बाजार पर भी इस निर्णय का बहू आयामी प्रभाव पड़ सकता है। पहली दृष्टि में यह कदम बॉन्ड बाजार से जुड़ा दिखाई देता है,लेकिन वास्तव में ऋण और इक्विटी बाजार एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। जब विदेशी निवेशक सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश के लिए भारत आते हैं तो उनके द्वारा लाया गया पूंजी प्रवाह वित्तीय प्रणाली की समग्र तरलता को बढ़ाता है। बेहतर तरलता का लाभ अंततः शेयर बाजार को भी मिलता है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली से जो दबाव बाजार पर बनता है, उसमें कमी आने की संभावना है। यदि विदेशी पूंजी का प्रवाह स्थिर होता है तो बाजार की धारणा में सुधार होगा और घरेलू निवेशकों का विश्वास भी सटीकता से मजबूत होगा। साथियों, सरकार द्वारा किए गए अन्य सुधार इस प्रभाव को और व्यापक बनाते हैं। भारत के बाहर रहने वाले व्यक्तिों के लिए सूचीबद्ध भारतीय कंपनियों में निवेश की व्यक्तिगत सीमा को 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत तथा कुल सीमा को 24 प्रतिशत तक बढ़ाना एक महत्वपूर्ण कदम है।

इसका अर्थ है कि विदेशी निवेशकों के पास अब भारतीय कंपनियों में अधिक हिस्सेदारी लेने का अवसर होगा। विशेष रूप से लार्ज- कैप और मिड-कैप कंपनियों में विदेशी निवेश बढ़ने की संभावना है। इससे बाजार में नई पूंजी आएगी, शेयरों की मांग बढ़ेगी और मूल्यांकन को समर्थन मिलेगा।।इस नीति का एक और महत्वपूर्ण प्रभाव सरकारी बॉन्ड यील्ड पर पड़ सकता है।जब किसी परिसंपत्ति की मांग बढ़ती है तो उसकी कीमत बढ़ती है और यील्ड घटती है। यदि विदेशी निवेशकों की मांग बढ़ने से सरकारी प्रतिभूतियों की कीमतें ऊपर जाती हैं तो यील्ड में कमी आ सकती है। सरकारी बॉन्ड यील्ड को अक्सर पूरी अर्थव्यवस्था के लिए बेंचमार्क माना जाता है। यील्ड कम होने का अर्थ है कि सरकार, बैंक और निजी कंपनियां अपेक्षाकृत कम लागत पर धन जुटा सकती हैं। इससे कॉर्पोरेट क्षेत्र की पूंजी लागत घटेगी, निवेश बढ़ेगा और आर्थिक विकास को गति मिलेगी। साथियों, विशेष रूप से बैंकिंग, एनबीएफसी, इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट क्षेत्र इस परिवर्तन से लाभान्वित हो सकते हैं। बैंक और वित्तीय संस्थान सरकारी प्रतिभूतियों के बड़े धारक होते हैं। यदि बॉन्ड कीमतें बढ़ती हैं तो उन्हें ट्रेजरी लाभ प्राप्त हो सकता है। वहीं कम ब्याज

दरों का वातावरण कर्ज आधारित जनसांख्यिकीय आधार, बढ़ता उपभोक्ता बाजार, डिजिटल परिवर्तन, बुनियादी ढांचे में निवेश और अपेक्षाकृत उच्च आर्थिक विकास दर भारत को वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक बनाते हैं। ऐसे में कर छूट और निवेश प्रक्रिया को सरल बनाने जैसे कदम भारत की प्रतिस्पर्धात्मक के स्थिति को और मजबूत करते हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आयकर (संशोधन) अध्यादेश, 2026 भारत की वित्तीय और निवेश नीति में एक महत्वपूर्ण मील का पथर है। सरकारी प्रतिभूतियों पर ब्याज आय और पूंजीगत लाभ को कर-मुक्त बनाकर भारत ने वैश्विक निवेशकों को स्पष्ट संदेश दिया है कि वह दीर्घकालिक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए गंभीर और प्रतिबद्ध है। इस निर्णय से विदेशी निवेशकों की कर बचत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, भारतीय ऋण बाजार अधिक प्रतिस्पर्धी बनेगा, रुपये को प्रभाव का मूल्यांकन करते समय क्षेत्र की पूंजी लागत घट सकती है और शेयर बाजार को नई मजबूती प्राप्त हो सकती है। यदि यह नीति अपेक्षित स्तर पर विदेशी पूंजी आकर्षित करने में सफल होती है, तो आने वाले वर्षों में भारत न केवल एशिया बल्कि विश्व के प्रमुख निवेश गंत्यों में अपनी स्थिति और अधिक मजबूत कर सकता है।

—संकलनकर्ता लेखक - ऋर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र 9284141425

“क्रान्तिकारी सुनीति चौधरी”

डॉ.जया श्रुवला

बीसवीं सदी के उत्तरार्ध तक भारत में अंग्रेजी शासन का शोषण बहुत बढ़ चुका था। पूरा भारत भीतर ही भीतर सुगुन रहा था। किन्तु देश में पढ़ेलिखे लोग भी पर्याप्त हो चुके थे, जो योजनाबद्ध और फलप्रद क्रान्ति की रूपरेखा बनाने की दिशा में सक्रय थे। सूचनाओं के आदान प्रदान की सुविधाएँ भी पहले की अपेक्षा बेहतर हो चुकी थीं। अतः पूर्णतया समर्पित क्रान्तिकारी दल देश में स्थान स्थान पर बन गए थे, और सक्रय थे। बंगाल भी इस क्षेत्र में बहुत सक्रय था। वहाँ पर मास्टर सूर्यसेन, “युगान्तर”, “अनुशीलन समिति”, आदि का हर ऐक्शन, और पकड़े गये क्रान्तिकारियों का अपने प्राणों से बेपरवाह होकर मातृभूमि के प्रति संपूर्ण आस्था से समर्पण और बलिदान, समाज में क्रान्ति की आग को और बढ़ाता था। वहाँ के युवावर्ग, विशेषकर छात्र, बहुत प्रभावित थे। ऐसे ही समय में बंगाल के कोमिल्ला जिले (अब बाँगला देश में) के कोमिल्ला नगर में 22 मई, 1917 को सुनीति चौधरी का जन्म हुआ। बचपन से सामाजिक माहौल का असर तो उनपर पड़ता ही रहा, साथही, वह तब के प्रसिद्ध क्रान्तिकारी उल्हासकर दत्त, जो कोमिल्ला में ही रहते थे, के क्रान्तिकारी कार्यों से बहुत प्रभावित हुई। उनकी शिक्षा कोमिल्ला में ही हो रही थी। वह “त्रिपुरा जिला छात्री संघ” की सदस्य भी थीं। उनकी देशभक्ति, निष्कीं साहस, और क्षमता देखकर युगान्तर दल के क्रान्तिकारी श्री प्रफुल्लनलिनी ब्रह्मा ने उन्हें युगान्तर दल में शामिल कर लिया। अपनी सक्रयता और क्षमता के चलते वह पार्टी के “महिला वॉलेंटियर कोर्प्स”की कैप्टेन बनीं। थोड़ेही समय में आजादी के प्रति उनका निर्भीक उत्साह और सर्वस्व समर्पण के प्रति उनमें नीतिक भी भय या हिचक न देख कर उनको छोटी आयु में ही “कस्टोडियन ऑफ

फ़ायरआर्म्स” बना दिया गया।वह महिला सदस्यों को लाठी, तलवार, और कटार चलाने का प्रशिक्षण देती थीं। 14 दिसम्बर, 1931 के दिन सुहासिनी चौधरी जी अपनी साथी सदस्यता और सहपाठिनी शान्ति घोष के साथ एक अत्यन्त क्रूर ब्रिटिश डिस्ट्रिक्ट मेजिस्ट्रेट क्राल्स गौफ्रे बकलेन्ड स्टीवन्स से भेंट करने पहुँचीं, पिस्तोल कपड़ों में छिपाकर। उनका मिलने की आज़ा पाने के लिये बहाना था कि वह अपनी सहपाठिनियों के लिये एक तैयारी प्रतियोगिता करवाना चाहती हैं, और उसकी आज़ा प्राप्त करने के लिये आवेदन मैजिस्ट्रेट साहब को प्रस्तुत करना चाहती हैं। मिलने की आज़ा भी मिल गई और वह दोनों मैजिस्ट्रेट के पास भी पहुँच गई। स्टीवन्स आवेदन को देख ही रहा था कि उन्होंने तुरन्त शॉल भें छिपी पिस्तौल निकाली और गोली चला कर मैजिस्ट्रेट के प्राण हर लिये। दोनों लड़कियाँ गिरफ्तार कर ली गईं। कोर्ट ने उन्हें 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सज़ा सुनाई। इन छोटी उम्र की बालिकओं के साहस, देशभक्ति, और त्याग ने, एक छोर से दूसरे छोर तक, पूरे देश की चेतना को झकझोर दिया। इनसे प्रेरणा लेकर जगह जगह युवा स्वतंत्रता सेनानी और क्रान्तिकारी उत्पन्न होने लगे। महात्मा गाँधी इनकी रिहाई के लिये अंग्रेजी शासन से बातचीत व चेष्टा में लगे थे। अन्ततः कारावास गमन के सात वर्षों बाद इन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। उन्होंने युवावर्ग के लिये जो सन्देश दिया था, वह बहुत प्रेरणादायक तो है ही, कालजयी भी है। इसकी सार्थकता हर कालखण्ड में सार्थक है:- “ साहस प्रगट होने के लिए कोई आयु नहीं पहचानता, बलिदान आजादी की राह बनाता है। न्याय के लिये खड़े होओ, उल्टीड़न का प्रतीकार करो, भय को कभी भी अपने कार्यों पर हावी नहीं होने दो।।”



लेखक - सौरभ वर्णोय

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आधार उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि नागरिकों के व्यक्तित्व, कौशल और सोच को विकसित करने का साधन भी है। इसलिए देश को विकास और भविष्य को मजबूत बनाने के लिए शिक्षा नीति पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। शिक्षा व्यवस्था में तकनीक का प्रवेश आज की आवश्यकता है। परीक्षा मूल्यांकन को अधिक पारदर्शी, तेज और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 2026 में कक्षा 12 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली लागू की। इस

व्यवस्था में उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन कर परीक्षकों के सामने डिजिटल रूप में प्रस्तुत किया जाता है। बोर्ड का दावा है कि इससे जोड़-घटाव की गलतियाँ कम होंगी, मूल्यांकन की निगरानी बेहतर होगी और परिणाम अधिक विश्वसनीय बनेंगे। लेकिन जिस तकनीक को सुधार का माध्यम माना गया था, वही अब विवाद के केंद्र में है। देशभर से छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने स्कैनिंग की गुणवत्ता, उत्तर पुस्तिकाओं के कथित मिश्रण, कम अंक मिलने और मूल्यांकन संबंधी विसंगतियों को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। कुछ मामलों में छात्रों ने दावा किया कि उन्हें दिखाई गई स्कैन की गई उत्तर पुस्तिका उनकी नहीं थी, जबकि कई उत्तर पुस्तिकाओं को खराब स्कैनिंग के कारण दोबारा स्कैन करना पड़ा या मैनुअल रूप से जांचना पड़ा।सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, राष्ट्रव्यापी क्रियान्वयन से पहले किए गए परीक्षणों में कई तकनीकी और संचालन संबंधी कमियाँ सामने आई थीं। अतिरिक्त रिपोर्टों में प्रशिक्षण की कमी, तकनीकी गड़बड़ियों,

मूल्यांकन की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था को लेकर चेतानियां दी गई थीं। कुछ विशेषज्ञों ने प्रणाली को पूर्ण रूप से लागू करने से पहले अधिक व्यापक परीक्षण की सलाह भी दी थी।यह विवाद केवल तकनीकी खामी का नहीं, बल्कि विश्वास का भी है। बोर्ड परीक्षाएं लाखों विद्यार्थियों के भविष्य को प्रभावित करती हैं। कुछ अंकों का अंतर उच्च शिक्षा और करियर के अवसरों को बदल सकता है। ऐसे में यदि मूल्यांकन प्रक्रिया पर संदेह पैदा होता है तो उसका प्रभाव केवल परिणामों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर पड़ता है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन का सहारा लिया है।हालांकि यह भी सच है कि डिजिटल मूल्यांकन कोई नई अवधारणा नहीं है। दुनिया के अनेक परीक्षा बोर्ड और संस्थान वर्षों से ऐसी प्रणालियों का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहे हैं। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन में दिखाई देती है। यदि स्कैनिंग, डेटा सुरक्षा, परीक्षकों के प्रशिक्षण

और गुणवत्ता नियंत्रण पर पर्याप्त ध्यान न दिया जाए तो तकनीक समाधान के बजाय नई समस्याएं पैदा कर सकती है।केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने भी कुछ विसंगतियों को स्वीकार करते हुए सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया है। यह स्वागतयोग्य है, किंतु केवल आश्वासन पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यकता इस बात की है कि पूरे विवाद की स्वतंत्र और पारदर्शी समीक्षा हो, तकनीकी कमियों की सार्वजनिक जानकारी दी जाए तथा प्रभावित विद्यार्थियों को शीघ्र और निष्पक्ष राहत प्रदान की जाए।शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन को रोका नहीं जा सकता और न ही रोका जाना चाहिए। परंतु किसी भी सुधार की सफलता उसकी विश्वसनीयता पर निर्भर करती है। विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि तकनीक का उद्देश्य केवल प्रक्रिया को तेज करना नहीं, बल्कि विश्वास को मजबूत करना भी होना चाहिए। यदि पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित किए जाएं तो भविष्य की दिशा बन सकता है, अन्यथा यह एक ऐसे प्रयोग के रूप में याद किया जाएगा जिसने विद्यार्थियों के मन में परीक्षा व्यवस्था को

लेकर अनावश्यक शंकाएं पैदा कर दीं। ब्लैकलिस्टिंग शर्त हटाना— पारदर्शिता पर उठते सवाल-सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग परियोजना के टेंडर से विक्रेता को ब्लैकलिस्ट करने संबंधी शर्त हटाए जाने का मामला स्वाभाविक रूप से चर्चा और सवालों का विषय बना है। अब तक सीबीएसई ने सार्वजनिक रूप से इस बदलाव का स्पष्ट और विस्तृत कारण नहीं बताया है। ऐसे में यह केवल एक प्रशासनिक संशोधन नहीं, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा मुद्दा बन जाता है। किसी भी सार्वजनिक संस्था के टेंडर नियमों का उद्देश्य केवल सेवा प्रदाता चुनना नहीं होता, बल्कि निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा, गुणवत्ता और सार्वजनिक धन की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी होता है। ब्लैकलिस्टिंग का प्रावधान आमतौर पर उन कंपनियों के विरुद्ध एक निवारक उपाय माना जाता है जो अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करती हैं या जिनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहता। इसलिए यदि ऐसी शर्त हटाई जाती है, तो उसके पीछे की प्रशासनिक और कानूनी तर्कसंगतता स्पष्ट रूप

से सामने आनी चाहिए।यह भी संभव है कि सीबीएसई ने किसी कानूनी सलाह, नीति परिवर्तन या प्रक्रियागत सुधार के आधार पर यह निर्णय लिया हो। कई बार संस्थाएं ब्लैकलिस्टिंग के बजाय प्रदर्शन गारंटी, वित्तीय दंड या अन्य अनुबंधीय उपायों को अधिक प्रभावी मानती हैं। लेकिन जब तक आधिकारिक स्पष्टीकरण सार्वजनिक नहीं होता, तब तक अटकलों और संदेहों को बल मिलता रहेगा।शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में, जहां लाखों विद्यार्थियों के परिणाम और मूल्यांकन प्रक्रिया दांव पर होती है, वहां तकनीकी परियोजनाओं से जुड़े निर्णयों में अधिकतम पारदर्शिता अपेक्षित है। प्दचस्व के लिए यह अवसर है कि वह इस बदलाव के पीछे के कारणों को सार्वजनिक करे और यह स्पष्ट करे कि गुणवत्ता, जवाबदेही तथा निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कौन-से वैकल्पिक सुरक्षा उपाय अपनाए गए हैं। प्रश्न केवल एक टेंडर शर्त का नहीं है, बल्कि सार्वजनिक संस्थानों में विश्वास बनाए रखने का है। स्पष्ट संवाद और पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया ही ऐसे मामलों में भरोसे को मजबूत कर सकती है।

वैदिक युग में शिक्षा के सही उद्देश्य



लेखक- संजय गोस्वामी

आज की शिक्षा और पहले की शिक्षा में बहुत अंतर थी आज मोबाइल और कंपिंंग के अलावा बच्चे प्रैक्टिस पर जोड़ नहीं देते ना ही बड़ो का बात मानते हैं, पहले पेपर लिंक भी नहीं होता संस्कार था अब सब ख़त्म हो रहा है वैदिक काल (लगभग 1700-900 ई।पू।) से भारत में शिक्षा की शुरुआत मान सकते हैं। ‘वैदिक शिक्षा’ शब्द का प्रयोग इस अवधि में प्रयुक्त शिक्षण पद्धति के अर्थ में किया जाता है। एक व्यापक अर्थ में इस शब्द का प्रयोग उस शिक्षा पद्धति के लिए किया जाता है जो पूर्व वैदिक काल में

प्रारंभ हुई और लगभग 550 ई। (गुप्त साम्राज्य के पतन तक) विकसित होती रही। इसे ‘ब्राह्मण शिक्षा-पद्धति’ , ‘शिक्षा की हिंदू प्रणाली’ और शिक्षा की ‘गुरुकुल प्रणाली’ भी कहा जाता है। भारतवर्ष में रहने वाली संप्रथम जाति आर्य थी और वैदिक संस्कृति आर्यों की अपनी संस्कृति थी । वैदिक-संस्कृति सत्य, सनातन है और वेद को अनादि अथवा ईश्वरीय माना गया है , क्योंकि मनुष्य और उसकी सभ्यता के बारे में सबसे प्राचीन इतिहास भी इसी संस्कृति की देन है । जिसमें ऋषियों द्वारा मानव समाज को व्यवस्थित तरीके से चलाने के लिये मर्यादित आचरण की ब्यवस्था दी गयी ।वैदिक शिक्षा- प्रणाली की ख़ास विशेषता थी गुरुकुल [शाब्दिक अर्थ शिक्षक का घर ’] की प्रणाली। छात्रों को शिक्षा के पूरे काल के लिए शिक्षक और उनके परिवार के साथ रहना आवश्यक था। कुछ गुरुकुल एकांत वन-क्षेत्रों में होते थे, लेकिन

सिद्धांत एक ही था विद्यार्थियों को गुरु (शिक्षक) / गुरु और उनके परिवार के साथ रहना होता था। यह प्रणाली लगभग 2500 वर्षों तक यथावत चलती रही। पाठशालाओं तथा शिक्षण संस्थाओं का विकास बहुत बाद में हुआ शिक्षा के उद्देश्य का पहला उल्लेख ऋग्वेद के 10 वें मंडल में पाया जाता है। इस मंडल के एक सूक्त में कहा गया है कि विद्या का उद्देश्य वेदों तथा कर्मकांड के ज्ञान के अतिरिक्त समाज में सम्मान प्राप्त करना, सभा-संमिति में बोलने में सक्षम होना, उचित-अनुचित का बोध आदि है।इससे प्रतीत होता है की पूर्व वैदिक युग में शिक्षा के उद्देश्य व्यावहारिक थे। बाद में, उपनिषद काल में, ज्ञान का उद्देश्य अधिक सूक्ष्म हो गया। विद्या को दो भागों में बांटा गया – परा विद्या और अपरा विद्या। अपरा विद्या में प्रायः समस्त पुस्तकीय तथा व्यावहारिक ज्ञान आ गया। केवल ब्रह्म विद्या को परा विद्या माना गया। परा विद्या श्रेष्ठ मानी गई क्योंकि उससे

मोक्ष प्राप्त होता है। मोक्ष शिक्षा का अंतिम उद्देश्य हो गया। लेकिन यह लक्ष्य आदर्श ही रहा होगा, न की व्यावहारिक, क्योंकि मोक्ष सभी के लिए साध्य नहीं हो सकता। इतिहासकार ए।एस।अल्तेकर ने वैदिक शिक्षा के व्यावहारिक उद्देश्य बताये हैं जो निम्नलिखित हैं। 1) चरित्र निर्माण: सत्यवादिता , संयम , व्यक्तिगत शील , सद्भाव, शांत स्वभाव और उदारता आदि अच्चे चरित्र के गुण किसी भी पेशे – पुरोहित , शिक्षक , चिकित्सक , राजसेवक, व्यापारी या सैनिक - के लिए बुनियादी आवश्यकता के रूप में प्राचीन गंधों में निर्धारित किये गए हैं। शिक्षा का उद्देश्य इन गुणों का विकास करना था। मनुस्मृति में कहा गया है कि निर्मल चरित्र का ब्राह्मण सभी वेदों का ज्ञान रखने वाले दुश्चरित्र ब्राह्मण से अच्छा होता है। शिक्षा आरम्भ करने के पूर्व उपनयन संस्कार होता था जिसमें भावी विद्यार्थी को नैतिक आचरण के नियमों का पालन करने का उपदेश दिया

जाता था। इसी तरह शिक्षा के समापन पर भी गुरु उपदेश देता था। उदाहरण के लिए तैत्तिरीय उपनिषद से दीक्षत ब्राह्मण एक अंश उद्धृत है : सच बोलो, धर्म का आचरण करो, वेदों का प्रतिदिन अभ्यास करो, माता पिता को देवतुल्य समझो, गुरु को देवतुल्य समझो।” 2) व्यक्तित्व का विकास: प्रत्येक शिक्षार्थी को आत्मनिर्भरता , आत्म - संयम और जीवन में वर्ण और आश्रम के अनुरूप आचरण करने का कौशल सिखाया जाता था। विद्यार्थी भिक्षा मांगकर और शारीरिक श्रम करके अपना और गुरु के परिवार का भरण-पोषण करते थे।इससे आत्म-निर्भरता उत्पन्न होती थी। संयम विद्यार्थी-जीवन ही नहीं समस्त जीवन का अनिवार्य अंग था और शिक्षा जीवन में इस पर बहुत बल दिया जाता था। अपने वर्ण से सम्बंधित कार्य कुशल ढंग से कर पाने की सामर्थ्य शिक्षा द्वारा दी जाती थी। साथ ही यह भी सिखाया जाता था

कि विभिन्न आश्रमों [गृहस्थ, वानप्रस्थ, संन्यास] में किस तरह आचरण करना होगा। अथर्ववेद के ब्रह्मर्षी सूक्त में कहा गया है की गुरु , शिक्षार्थी को दुबारा जन्म देता है, अर्थात उसका मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक कायाकल्प कर देता है। 3) कार्य-क्षमता और नागरिक जिम्मेदारी का विकास: शिक्षा को गृहस्थ जीवन की भूमिका माना जाता था। गृहस्थ के अतिरिक्त सभी अन्य आश्रमों वाले व्यक्ति अपनी भौतिक आवश्यकताओं के लिए गृहस्थ पर निर्भर होते थे। इस तरह गृहस्थ न केवल अपने परिवार बल्कि अन्य वर्णों का भी पालन करता था। गुरु शिक्षार्थी को समाज में अपनी यह भूमिका निभाने में सक्षम बनाता था। इसके अतिरिक्त समाज को चलाने के लिए आवश्यक राजसेवक, न्यायाधीश, व्यापारी, पुरोहित ढंग से कर पाने की सामर्थ्य शिक्षा द्वारा दी जाती थी। साथ ही यह भी सिखाया जाता था

फीफाविश्वकप

जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजे के नाम है सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से हो रही है । विश्व कप के इस 23वें संस्करण की मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको कर रहे हैं । इस बार सर्वाधिक 48 टीमों हिस्सा ले रही हैं और कुल 104 मैच खेले जाएंगे । फुटबॉल का इतिहास बेहतरीन खिलाड़ियों से भरा पड़ा है । कई ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने विश्व कप में अपने दमदार प्रदर्शन से न सिर्फ अपनी टीमों को जीत दिलाई है, बल्कि पूरी दुनिया में अपना नाम बनाया है । आइए



आपको बताते हैं कि फीफा विश्व कप में बतौर खिलाड़ी किसके नाम सर्वाधिक जीत दर्ज हैं । जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजे के नाम फीफा विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड है । क्लोजे ने जर्मनी के लिए 24 विश्व कप मैच खेले हैं जिसमें 17 जीत दर्ज की है । ब्राजील के काफ़ू ने 20 मैचों में 16 जीत दर्ज की है । अर्जेंटीना के लियोनल मेसी ने 26 मैचों में 16 में जीत हासिल की है । काफ़ू और मेसी संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं । इसके बाद जर्मनी के वोल्फगैंग ओवरथ, ब्राजील के रोनाल्डो, जर्मनी के फिलिप लाम, बारस्टियन श्वाइन्स्टाइगर और लोथार माथ्यूस हैं । ओवरथ ने 19 मैचों में 15 जीत, रोनाल्डो ने 19 मैचों में 15 जीत, लाम ने 20 मैचों में 15 जीत, श्वाइन्स्टाइगर ने 20 मैचों में 15 जीत और माथ्यूस ने 25 मैचों में 15 जीत हासिल की है । ब्राजील के लुसियो ने 17 मैचों में 14 जीत, जर्मनी के फ्रांज़ बेकेनबाउर ने 18 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के ओलिवियर गिरोड ने 18 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के एंटोनी ग्रीज़मैन ने 19 मैचों में 14 जीत, जर्मनी के पेर मर्टेंसकर ने 19 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के ह्यूगो लोरिस ने 20 मैचों में 14 जीत, इटली के पाओलो मालदिनी ने 23 मैच खेलते हुए 14 जीत हासिल की है ।



नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के समाप्त होने के बाद अब भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक मैच की टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है। 6 जून से शुरू होने वाले इस टेस्ट मैच में भारत को जीत का फेवरेट माना जा रहा है। हालांकि अफगानिस्तान की भी कोशिश होगी कि वो भारत को कड़ी टक्कर दे, लेकिन ये टीम किस हद तक इसमें सफल हो पाती है इस पर निगाहें

सचिन नंबर 1, सहवाग से आगे यशस्वी

टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय

रहने वाली है। अब इस टेस्ट सीरीज से पहले आपको बता दें कि भारत की तरफ से टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय बैटर कौन हैं।

सचिन तेंदुलकर के नाम है सबसे ज्यादा रन

भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में अगर एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो इसमें पहले स्थान पर सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने साल 2010 में 1562 रन बनाए थे । वहीं इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर यशस्वी जायसवाल हैं जिन्होंने साल 2024 में 1478 रन बनाकर वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ा था । सहवाग इस लिस्ट में तीसरे और चौथे नंबर पर मौजूद हैं । सहवाग ने साल 2008 में 1462 रन बनाए थे जबकि साल 2010 में टेस्ट में सहवाग के बल्ले से कुल 1422 रन निकले थे । इस लिस्ट में सुनील गावस्कर 5वें नंबर पर हैं जिन्होंने साल 2002 में 1407 रन बनाए थे जबकि सचिन तेंदुलकर ने साल 2002 में 1392 रन बनाए थे और वो छठे स्थान पर भी हैं । गुड्डप्पा विश्वनाथ इस सूची में सातवें नंबर पर हैं जिन्होंने साल 1979 में कुल 1388 रन बनाए थे । राहुल द्रविड़ 8वें स्थान पर हैं जिन्होंने साल 2002 में 1357 रन एक कैलेंडर वर्ष में बनाए थे जबकि विराट कोहली ने साल 2018 में 1322 रन बनाए थे और 9वें स्थान पर मौजूद हैं ।



टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बैटर

- सचिन तेंदुलकर– 1562 रन, 2010
 - वीरेंद्र सहवाग– 1462 रन, 2008
 - सुनील गावस्कर– 1407 रन, 1979
 - गुड्डप्पा विश्वनाथ– 1388 रन, 1979
 - विराट कोहली– 1322 रन, 2018
- यशस्वी जायसवाल– 1478 रन, 2024
 - वीरेंद्र सहवाग– 1422 रन, 2010
 - सचिन तेंदुलकर– 1392 रन, 2002
 - राहुल द्रविड़– 1357 रन, 2002
 - सुनील गावस्कर– 1310 रन, 1983



साई सुदर्शन वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी, हम उन्हें पर्याप्त मौके देंगे: गौतम गंभीर

चंडीगढ़ । टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ कर दिया है कि भारतीय टीम साई सुदर्शन को अभी पर्याप्त मौके देगी। गंभीर का कहना है कि किसी भी खिलाड़ी को अपनी काबिलियत साबित करने के लिए पर्याप्त मौके मिलने चाहिए। साई सुदर्शन खराब फॉर्म में नहीं हैं और वह आईपीएल 2026 में 700 से अधिक रन बनाकर आ रहे हैं। अगर हम किसी खिलाड़ी को 4 या 5 पारियों के आधार पर जज करेंगे, तो हम टीम तैयार नहीं कर पाएंगे। हेड कोच ने आगे कहा, 'ऐसा नहीं है कि हम अगर एक खिलाड़ी को 5 मुकाबले में आजमाएँ, तो दूसरे को सिर्फ एक या दो मुकाबलों में मौका देंगे। हालांकि, अभी हम साई सुदर्शन के साथ जाना चाहते हैं और उन्हें पर्याप्त मौके देना चाहते हैं। वह एक वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि वह शानदार प्रदर्शन करके दिखाएँगे। '



सुदर्शन एक वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं और वह हाल ही में आईपीएल 2026 में 700 से ज्यादा रन बनाकर आ रहे हैं। गंभीर के बयान के बाद यह लगभग तय हो गया है कि अफगानिस्तान के खिलाफ होने

चंडीगढ़ में आज से एकमात्र टेस्ट में भारत और अफगानिस्तान की भिड़ंत

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच का आगाज शनिवार से होगा। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला मुल्तानपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान भी क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में भारत को कड़ी टक्कर देना चाहेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक महज एक टेस्ट मैच खेला गया है। यह टेस्ट मैच साल 2018 में बेंगलुरु में खेला गया था। भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इस टेस्ट को एक पारी और 262 रनों से अपने नाम किया था। हालांकि, पिछले 8 वर्षों में अफगानिस्तान की टीम काफी



मजबूत हुई है। एकमात्र टेस्ट मैच के लिए देवदत्त पडिक्कल को भी टीम में शामिल किया गया है। पडिक्कल का प्रदर्शन आईपीएल 2026 और घरेलू क्रिकेट में काफी शानदार रहा। सिर्फ पडिक्कल ही नहीं बल्कि कई युवा खिलाड़ियों को इस सीरीज के लिए मौका दिया गया है। मानव सुथार को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसके साथ ही तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को भी टीम में जगह दी गई है।

एकमात्र टेस्ट के लिए दोनों टीम

- भारतीय टीम का स्क्वॉड : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उप-कप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, वांशिगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कुष्णा, मानव सुथार, गुरनूर बराडर, हर्ष दुबे और ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर) ।
- अफगानिस्तान टीम का स्क्वॉड : हशमनुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अफसर जजर्ज़ी (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), अब्दुल मलिक, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत राई, रहमानुल्लाह गुराबाज, रहमानुल्लाह जादरान, अजमतुल्लाह उमरजर्ज़ी, शराफुद्दीन अशरफ, नांग्याल खारोताई, कैस अहमद, बिलाल सामी, जिया शरीफी और सलीम सफ़ी ।

व्यापार

बड़े दिनों बाद रुपये में आई तेजी, डॉलर के मुकाबले 50 पैसे चढ़ गया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने विदेशी संस्थागत निवेशकों को बड़ी राहत दी है। उनके लिए सरकारी सिक्क्योरिटीज की बिक्री या उनसे मिलने वाले ब्याज से होने वाली कमाई पर कैपिटल गेन टैक्स खत्म कर दिया है। एक या उनसे मिलने वाले ब्याज से होने वाली कमाई पर कैपिटल गेन टैक्स खत्म कर दिया है। साथ ही आरबीआई ने विदेशी संस्थागत निवेशकों के लिए नियमों में छूट दी है। इससे आज डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को कारोबार के दौरान 50 पैसे चढ़कर 95.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपये की कीमत में लंबे समय बाद इतनी तेजी आई है।

सरकार ने विदेशी संस्थागत निवेशकों और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स को

सरकारी सिक्क्योरिटीज की बिक्री या उनसे मिलने वाले ब्याज से होने वाली कमाई पर कैपिटल गेन टैक्स खत्म कर दिया है। एक या उनसे मिलने वाले ब्याज से होने वाली कमाई पर कैपिटल गेन टैक्स खत्म कर दिया है। साथ ही आरबीआई ने विदेशी संस्थागत निवेशकों के लिए नियमों में छूट दी है। इससे आज डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को कारोबार के दौरान 50 पैसे चढ़कर 95.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपये की कीमत में लंबे समय बाद इतनी तेजी आई है।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि आरबीआई की नीतिगत घोषणाओं और लॉग टर्म टैक्स गेन खत्म होने से निवेशकों की धारणा बेहतर हुई है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार



बाहरी झटकों से बचाव के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया 95.72 पर खुला और फिर कारोबार के दौरान 95.24 तक पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 50 पैसे की वृद्धि है। रुपया गुरुवार को डॉलर के मुकाबले दो पैसे बढ़कर 95.74 पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के बीच कच्चे तेल के दाम में तेजी और इससे महंगाई पर पड़ने वाले असर को देखते हुए रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष में लगातार दूसरी बार प्रमुख नीतिगत दर रेपो को उम्मीद के मुताबिक 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा।

नरमपड़ा क्रूडतबभी कोलकाता में पेट्रोल 113 तो डीजल 99 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चा तेल का वैश्विक बाजार गुरुवार को फिर से नरम हुआ है। मानक ब्रेंट क्रूड के दाम में प्रति बैरल करीब तीन डॉलर की कमी आई है। हालांकि, इंडियन बॉस्केट क्रूड के दाम जस के तस हैं। शायद इसका ही अवरध है कि भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियों ने आज यानी शुक्रवार, 5 जून 2026 को दाम में कोई बदलाव नहीं किया। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियां 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा चुकी हैं। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था।

निवेशकों को मिलने वाली 5% की रियायती टैक्स दर को खत्म कर दिया था

अब भारत से पैसा नहीं निकालेंगे विदेशी निवेशक ! टैक्स में बड़ी राहत देने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के लिए सरकारी बॉण्ड में निवेश पर लगने वाले कैपिटल गेन्स टैक्स को खत्म करने की तैयारी में है। मामले



की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि, सरकार का मकसद रुपये की मजबूत करना और देश में विदेशी निवेश बढ़ाना है। जिससे ईरान युद्ध के आर्थिक असर को कम किया जा सके। विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार आने वाले समय में कुछ और कदम भी उठा सकती है। अभी के नियमों के हिसाब से, विदेशी निवेशकों को 12 महीने से ज्यादा समय तक रखे गए लिस्टेड शेयरों और बॉण्ड पर 12.5% लॉग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता है। इसके

अलावा, सरकारी बॉण्ड से मिलने वाले ब्याज पर उन्हें 20% विदहोल्डिंग टैक्स भी देना होता है। सरकार ने 2023 में विदेशी निवेशकों को मिलने वाली 5% की रियायती टैक्स दर को खत्म कर दिया था। यह मामला ऐसे समय में आया है जब विदेशी निवेश का फ्लो कम हुआ है। पश्चिम एशिया में प्राइवेट निवेश को बढ़ावा देने के लिए अध्यादेश के जरिए कॉरपोरेट टैक्स में कटौती की थी। 12.5%: लिस्टेड शेयरों और बॉण्ड पर लगने वाला लॉग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स 20%: सरकारी बॉण्ड के ब्याज पर लगने वाला विदहोल्डिंग टैक्स। 12.47 लाख करोड़ रुपये: इस साल अब तक विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से निकाली गई रकम। 1.04 लाख करोड़ रुपये: साल 2025 में विदेशी निवेशकों द्वारा निकाली गई रकम। जानकारों का कहना है कि भारत से लगातार बाहर जा रही विदेशी पूंजी को देखते हुए वे काफी समय से स्खल्ल और विदहोल्डिंग टैक्स को कम करने की मांग कर रहे थे। एक जानकार ने बताया कि रेगुलेटरी संस्थाएं भी कुछ और कदम उठा सकती हैं, जिससे भारतीय बाजार विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बने रहें। जानकारों का कहना है कि विदेशी निवेशकों को लुभाने के लिए सरकार और रेगुलेटर कुछ बड़े ऐलान कर सकते हैं।

कभी एक कप चाय खरीदने के नहीं होते थे पैसे, आज करोड़ों का कारोबार, छोटा सा आइडिया कर गया काम

नई दिल्ली: शशि भूषण रांची के रहने वाले हैं। उन्होंने हिम्मत और उद्यमशीलता की मिसाल पेश की है। कभी वह एक कप चाय खरीदने से पहले भी 100 बार सोचते थे। आज वह करोड़ों की एक्सपोर्ट कंपनी के मालिक हैं। इसका नाम येलॉन एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड है। इस कंपनी के जरिये शशि ने ग्लोबल एक्सपोर्ट मार्केट में अपनी खास जगह बनाई है। यह कंपनी मसालों और हाइड्रेटेड (सूखे) सब्जियों के एक्सपोर्ट में माहिर है। इसकी नींव बहुत छोटे से आइडिया से पड़ी थी। आइए, यहां शशि भूषण की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

शशि भूषण ने रांची से होटल मैनेजमेंट में ग्रेजुएशन किया है। उनके लिए थाईलैंड की एक कोर्स-विजिट के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजारों से शुरुआती परिचय बहुत अहम साबित हुआ। इसके बाद थाईलैंड और मलेशिया जैसे देशों की यात्राओं ने उन्हें बाजार में मौजूद एक कमी को पहचानने में मदद की।

शशि ने देखा कि मसाले बहुत ऊंची कीमतों पर बेचे जा रहे थे। अक्सर उनमें कोई खास वैल्यू एडिशन नहीं होता था। न ही उन्हें सही तरीकों से खरीदा जाता था। मांग और अवसर दोनों को पहचानकर उन्होंने जरूरी लाइसेंस लेने और निर्यात के कारोबार में उतरने का फैसला किया। यह छोटा सा आइडिया हिट हो गया।

आज शशि भूषण की कंपनी 25 से 30 तरह की हाइड्रेटेड सब्जियों की पेशकश करती है। ये ऐसे प्रोडक्ट हैं जिन्हें पकाने के लिए बहुत कम तैयारी की जरूरत होती है। विदेशों की तेज-रफ्तार शहरी जीवनशैली में खास तौर पर इन्हें

पसंद किया जाता है। भूषण को लगा कि लोगों के पास हमेशा सब्जियां खरीदने, धोने, काटने और पकाने का समय नहीं होता। हाइड्रेटेड सब्जियों के विकल्प के साथ बस पानी मिलाना होता है और वे तैयार हो जाती हैं।

उनके प्रोडक्ट रेंज में अदरक और लहसुन के पाउडर जैसी चीजें भी शामिल हैं। इनसे सिर्फ पांच मिनट में ही खाना तैयार किया जा सकता है। इसके अलावा इनमें सूखे टमाटर, पतागोभी, चुकंदर और गाजर से लेकर कई तरह की चटनियां और पिसे हुए मसाले भी हैं। इन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भेजा जाता है।

स्थानीय किसानों से खरीदारी शशि भूषण ये उत्पाद स्थानीय किसानों से खरीदते हैं। इससे एक ऐसी स्पलाई चेन बनती है जो न केवल ग्रामीण उत्पादकों को सहारा देती है। इसके बजाय विदेशों में बढ़ती मांग को भी पूरा करती है। विदेशों में ऐसे उत्पादों की बहुत मांग है। इन उत्पादों की लोकप्रियता का मुख्य कारण इस्तेमाल में आसानी है। हालांकि, भूषण का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा है। एक साधारण पृष्ठभूमि से आने के कारण उन्हें अपनी पढ़ाई पूरी करने में काफी संघर्ष करना पड़ा। शशि भूषण को वह समय भी याद है जब एक कप चाय खरीदने से पहले भी उन्हें कई बार सोचना पड़ता था। आज उनकी कंपनी का सालाना कारोबार करोड़ों में है। रांची के कोकर स्थित अपने दफ्तर से काम करते हुए भूषण ने 15 से 20 परमानेंट स्टाफ को रोजगार दिया हुआ है। इनमें से कई लोग सालों से उनके साथ काम कर रहे हैं।



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद जकी हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद जकी हैदर- हेड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593 RNI No.: DELHIN/2008/23928
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कर्नोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM
किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)

